डाक पंजिकृत ए/बी 123/21.23

झुग्गी झोपड़ी

प्रयागराज से प्रकाशित हम बनेंगे आपकी आवाज हिन्दी दैनिक

Website : www.jhuggijhopri.com www.jjnews.in प्रयागराज,शनिवार.19 नवंबर,2022 वर्ष–07 / अंक–189 प्रष्ठ–08 / मूल्य–2 रूपये

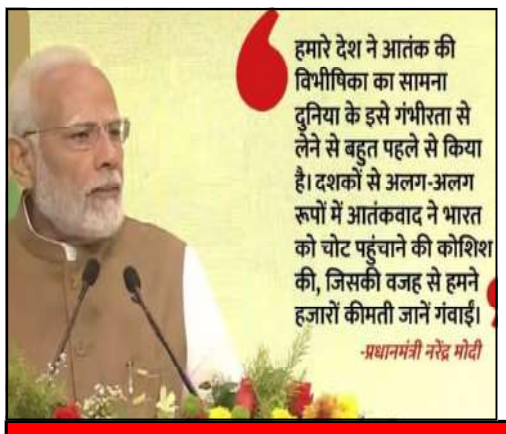

पहले चरण की 89 सीटों पर भाजपा करेगी 82 रैलियां, शिवराज–योगी और मांडविया को मिला विशेष टास्क

गुजरात में पहले चरण के नाम वापस लेने की आखिरी तारीख बीत चुकी है। शुक्रवार से प्रदेश में चुनाव प्रचार का घमासान शुरू हो गया है। भाजपा ने अपने सभी स्टार प्रचारकों को मतदाताओं के समीकरण के अनुसार अलग अलग क्षेत्रों में प्रचार की जिम्मेदारी सौंप दी है। पहले चरण की 89 सीटों में से 82 पर शुक्रवार को केंद्रीय और प्रदेश के नेता एक साथ प्रचार और रोड शो के लिए उतरेंगे। मध्यप्रदेश के सीएम चौहान, उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को गुजरात में प्रचार के लिए टास्क सौंपे गए हैं। इसके अलावा केंद्रीय मंत्री मांडविया और रुपाला को मिली पाटीदार बाहुल्य क्षेत्र में प्रचार की कमान सौंपी गई है।

इन नेताओं को सौंपी कमान

भाजपा उम्मीदवारों के समर्थन 56 सीटों पर राष्ट्रीय संगठन मंत्री, केंद्रीय मंत्री, भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री, विभिन्न राज्यों के सांसद समेत 15 नेता प्रचार और सभा को संबोधित करेंगे। जबकि 36 सीटों पर प्रदेश अध्यक्ष सीआर पाटिल और मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, पूर्व मुख्यमंत्री, पूर्व मंत्री, सांसद और संगठन के पदाधिकारी समेत 14 नेता प्रचार करेंगे। शुक्रवार को भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा नवसारी, अंकलेश्वर और राजकोट पूर्व, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी जामनगर ग्रामीण, भरूच और ओलपाड में प्रचार करेंगे। केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर धांग्रधा, दसाडा, भावनगर ग्रामीण, भावनगर पूर्व, केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर मांगरोल, मांडवी, बारडोली, सूरत पश्चिम में प्रचार करेंगे। जबकि वीके सिंह गोंडल और पोरबंदर में रहेंगे। इसके अलावा मध्यप्रदेश के सीएम शिवराज सिंह चौहान मांडवी, अबडासा, मोरबी, भावनगर पश्चिम और उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ वांकानेर, झगडिया और चौर्यासी में सभा और प्रचार करते हुए नजर आएंगे। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, केंद्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते भी चुनावी सभा को संबोधित करेंगे।

मांडविया और रुपाला को मिली पाटीदार बाहुल्य क्षेत्र की जिम्मेदारी

केंद्रीय मंत्री मनसुख भाई मांडविया और पुरुषोत्तम रुपाला को सूरत की पाटीदार बहुल सीट की जिम्मेदारी दी गई है। वराछा, कतारगाम और करंज क्षेत्रों में ये नेता सभाएं लेंगे। इस इलाके में आम आदमी पार्टी की पकड़ मजबूत मानी जा रही है। हालांकि यह तीनों सीटों भाजपा का गढ़ मानी जाती हैं। लेकिन वोटर्स का मन निगम चुनाव की तरह रहा तो भाजपा की परेशानी बढ़ सकती है। इससे बचने के लिए ही मांडविया और रुपाला सभा को संबोधित करेंगे।

बांग्लादेश के गृह मंत्री से मिले अमित शाह, अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हमलों का मुद्दा उठाया

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को अपने बांग्लादेशी समकक्ष असदुज्जमां खान से मुलाकात की। इस दौरान शाह ने पड़ोसी देश में अल्पसंख्यकों और मंदिरों पर हमलों का मुद्दा उठाया। उन्होंने बांग्लादेशी मंत्री के साथ सीमा प्रबंधन और सामान्य सुरक्षा संबंधी मुद्दों पर भी चर्चा की। सूत्रों ने यह जानकारी दी है।

आधिकारिक सूत्रों के ने बताया कि शाह ने खान के साथ बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों और मंदिरों पर हमलों का मुद्दा उठाया। गृह मंत्रालय ने एक ट्वीट में कहा, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने श्नो मनी फॉर टेररश सम्मेलन के मौके पर बांग्लादेश के गृहमंत्री असदुज्जमां कान से मुलाकात की। दोनों पक्षों ने सीमा प्रबंधन और सामान्य सुरक्षा संबंधी मुद्दों पर चर्चा की है।

खान यहां गृह मंत्रालय द्वारा आयोजित मंत्रिस्तरीय तीसरे श्नो मनी फॉर टेररश सम्मेलन में हिस्सा लेने आए हैं। यह दो दिवसीय सम्मेलन है। शुक्रवार को इस सम्मेलन में 75 से ज्यादा देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के 450 प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

इससे पहले शाह ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि आतंकवाद वैश्विक शांति और सुरक्षा के लिए सबसे गंभीर खतरा है, लेकिन आतंक के लिए वित्त पोषण (टेरर फाइनेंसिंग) उससे भी ज्यादा खतरनाक है। उन्होंने कहा कि कट्टरपंथी सामग्री फैलाने के लिए आतंकवादी डार्कनेट का इस्तेमाल कर रहे हैं। इससे क्रिप्टोकरंसी के उपयोग में वृद्धि देखी गई है। शाह ने कहा कि डार्कटनेट पैटर्न का समाधान ढूंढने की आवश्यकता है।

शाह ने आगे कहा, सुरक्षा ढांचे और वित्तीय व्यवस्था में प्रगति के बावजूद आतंकवादी युवाओं को कट्टरपंथी बनाने और आर्थिक संसाधन जुटाने के नए तरीके ढूंढ रहे हैं।

संक्षिप्त सार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को करेंगे डोनी पोलो हवाई अड्डे का उद्घाटन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे डोनी पोलो का उद्घाटन करेंगे। इस हवाई अड्डे को भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण द्वारा केंद्र और राज्य सरकार की मदद से 640 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से बनाया गया है। शुक्रवार को अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल बी.डी. मिश्रा ने ईटानगर के पास बने इस हवाई अड्डे का निरीक्षण किया। ग्रीनफील्ड हवाई अड्डा हर मौसम में संचालन के लिए उपयुक्त है।

पीएम मोदी की इशारों–इशारों में पाकिस्तान को चेतावनी, कहा– तब तक चौन से नहीं बैठूंगा...

आतंकी फंडिंग के खिलाफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज श्नो मनी फॉर टेररश अंतरराष्ट्रीय मंत्रीस्तरीय सम्मेलन का उद्घाटन किया। इस मौके पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह भी मौजूद रहे।इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, यह बड़ी बात है कि यह सम्मेलन भारत में हो रहा है। उन्होंने कहा, दशकों तक हमारे देश को आतंकवाद ने चोट पहुंचाने की कोशिश की, लेकिन हमने बहादुरी से इसके खिलाफ लड़ाई लड़ी।आतंक का खात्म होने तक चौन से नहीं बैठेंगे प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, हम तब तक चौन से नहीं बैठेंगे जब तक आतंकवाद का खात्मा नहीं हो जाता। उन्होंने कहा, लंबे समय से आतंकवाद असर गरीबों और स्थानीय अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। चाहे वह पर्यटन हो या व्यापार का क्षेत्र। कोई भी उस इलाके को पसंद नहीं करता जहां लगातार आतंकवार का खतरा बना रहता है। इससे लोगों की रोजी–रोटी छिन रही है। यह सबसे अधिक महत्वपूर्ण है कि हम आतंकवाद के वित्तपोषण की जड़ पर प्रहार करें।इशारों में पाकिस्तान को घेरा प्रधानमंत्री ने कहा, आतंकवाद मानवता, स्वतंत्रता और सभ्यता पर हमला है। यह किसी भी देश की सीमा को नहीं पहचानता है। उन्होंने कहा, अगर आतंकवाद को हराना है तो हमें एकजुटता और शून्य–सहनशीलता का दृष्टिकोण अपनाना होगा। पीएम ने कहा, यह सभी जानते हैं कि आतंकवादी संगठनों को कई स्रोतों से धन प्राप्त होता है। इसका एक स्रोत किसी एक देश का समर्थन भी है। कुछ देश अपनी विदेश नीतियों के तहत आतंकवाद का समर्थन करते हैं। वे उन्हें राजनीतिक, वैचारिक और वित्तीय सहायता प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा, आतंकी फंडिंग के स्रोतों में से एक संगठित अपराध है। इसे अलग–थलग करके नहीं देखा जाना चाहिए। इन गिरोहों के अक्सर आतंकी संगठनों से गहरे संबंध होते हैं।एनआईए चीफ ने की पीएम मोदी की तारीफ राष्ट्रीय जांच एजेंसी के महानिदेशक दिनकर गुप्ता ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री मोदी की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, बीते आठ वर्षों में आतंकवादी गतिविधियों में कमी आई है। उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ केंद्र की जीरो टॉलरेंस नीति की भी सराहना की और कहा कि इसने देश के सुरक्षा परिदृश्य में महत्वपूर्ण बदलाव लाया है। तीसरे मंत्रिस्तरीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए डीजी गुप्ता ने कहा, मेरे लिए प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत करना एक सम्मान की बात है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी के महानिदेशक दिनकर गुप्ता ने कहा, आतंकी फंडिंग के लिए सोशल मीडिया प्लेटफार्म का इस्तेमाल किया जा रहा है। भारत के पास इसका सबूत हैं। गृह मंत्री शाह ने कही यह बात दिल्ली में श्नो मनी फॉर टेररश सम्मेलन में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी अपनी बात रखी। उन्होंने बताया कि आतंकवादी हिंसा फैला रहे हैं, युवाओं को कट्टरपंथी बना रहे हैं और वित्तीय स्रोतों के नए रास्ते खोज रहे हैं। अपनी पहचान छुपाने और कट्टरपंथी सामग्री फैलाने के लिए आतंकवादी डार्क नेट का इस्तेमाल कर रहे हैं। क्रिप्टोकरेंसी जैसी आभासी संपत्ति का उपयोग भी बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि हमें डार्क नेट पर होने वाली ऐसी गतिविधियों के पैटर्न का विश्लेषण और समझना होगा और उनका समाधान खोजना होगा। दुर्भाग्य से कुछ ऐसे देश हैं, जो आतंकवाद से निपटने के हमारे सामूहिक संकल्प को कमजोर या नष्ट करना चाहते हैं।उन्होंने कहा कि अक्सर हमने देखा है कि कुछ देश आतंकवादियों को ढाल देते हैं और उन्हें शरण देते हैं। एक आतंकवादी को पनाह देना आतंकवाद को बढ़ावा देने के बराबर है। ऐसे तत्व और ऐसे देश अपने मंसूबों में कामयाब न हों, यह देखना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है।शाह ने कहा कि अगस्त 2021 के बाद दक्षिण एशियाई क्षेत्र में स्थिति में व्यापक परिवर्तन हुए हैं। सत्ता में बदलाव, आईएसआईएस और अलकायदा के प्रभाव में वृद्धि क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए एक बड़ी चुनौती बनकर उभरी है। नए समीकरणों ने टेरर फंडिंग के मुद्दे को और भी गंभीर बना दिया है।

सावरकर के नाम पर महाराष्ट्र में बवाल, क्या गठबंधन से भी किनारा कर सकते हैं उद्धव ठाकरे?

ग्रेस नेता राहुल गांधी की विनायक दामोदर सावरकर (वीर सावरकर) पर की गई टिप्पणी से महाराष्ट्र की राजनीति में हलचल है। राज्य में कांग्रेस के साथ गठबंधन में शामिल शिवसेना (उद्धव गुट) ने राहुल के बयान से किनारा कर लिया। पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा कि हमारी पार्टी सावरकर का बहुत सम्मान करती है। उनके लिए किसी भी टिप्पणी से वह और उनकी पार्टी सहमत नहीं है। राहुल के बयान का सियासी मतलब क्या है? भाजपा का राहुल के बयान पर क्या कहना है? उद्धव ठाकरे की पार्टी का इस पर क्या कहना है? क्या राहुल के बयान के चलते महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी में फूट पड़ सकती है? आइये जानते हैं३पहले जानिए राहुल गांधी ने क्या कहा? कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने गुरुवार को कहा कि सावरकर ने अंग्रेजों की मदद की थी। उन्होंने अंग्रेजों को खत लिखकर कहा था कि सर, मैं आपका नौकर रहना चाहता हूं। जब सावरकर ने माफीनामे पर हस्ताक्षर किए तो उसका कारण डर था। अगर वह डरते नहीं तो वह कभी हस्ताक्षर नहीं करते। इससे उन्होंने महात्मा गांधी, नेहरू, पटेल जैसे उस वक्त के नेताओं के साथ धोखा किया था। राहुल गांधी ने आगे कहा कि अंडमान जेल में, सावरकर ने एक पत्र लिखा और अंग्रेजों से कहा कि मुझे माफ कर दो और जेल से रिहा कर दो। सावरकर ने अंग्रेजों से पेंशन ली, उन्होंने कांग्रेस के खिलाफ काम किया। जेल से बाहर आने के बाद उन्होंने अंग्रेजों के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया और उनकी सेना में शामिल हो गए। भाजपा ने राहुल के बयान पर क्या कहा? राहुल गांधी के बयान पर भारतीय जनता पार्टी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला कहा, 'राहुल गांधी लगातार हिंदुत्व विचारक के खिलाफ अपशब्द और झूठ बोल रहे हैं। अगर राहुल गांधी खुद को सच्चा गांधीवादी मानते हैं तो वह जनता को ये भी बताएं कि महात्मा गांधी और इंदिरा गांधी ने वीर सावरकर को लेकर क्या–क्या कहा था? दोनों ने सावरकर को देश का सच्चा सपूत बताया था। ऐसे में क्या राहुल गांधी महात्मा गांधी और अपनी दादी इंदिरा गांधी की बात को भी नहीं मानते हैं?शिवसेना (शिंदे गुट) ने क्या कहा?महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने भी राहुल गांधी पर निशाना साधा। शिंदे ने कहा कि राज्य के लोग हिंदुत्व विचारक के किसी भी अपमान को बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने उद्धव ठाकरे का जिक्र करते हुए कहा कि महाराष्ट्र में स्वतंत्रता सेनानी का अपमान किया गया जबकि ऐसे भी लोग हैं जिन्होंने इस मुद्दे पर नरम रुख अपनाया है। उद्धव गुट ने राहुल के बयान पर क्या कहा? राहुल के बयान पर उद्धव ठाकरे ने कहा, 'हमारी पार्टी सावरकर का बहुत सम्मान करती है। उनके लिए किसी भी टिप्पणी से वह और उनकी पार्टी सहमत नहीं है। उद्धव ठाकरे ने केंद्र सरकार पर भी निशाना साधा। पूछा कि केंद्र सरकार ने हिंदुत्व विचारक सावरकर को भारत रत्न क्यों नहीं दिया है? बीजेपी को यह भी बताना चाहिए कि वे पीडीपी (जम्मू और कश्मीर में) के साथ सत्ता में क्यों थे? उन्होंने दावा किया कि पीडीपी कभी भी श्भारत माता की जयश नहीं कहेगी।शिवसेना सांसद संजय राउत ने भी इस मामले में बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा, श्भारत जोड़ो यात्रा जिस उद्देश्य के साथ निकली है, वह यह है कि ये देश जा रहा है तानाशाही की तरफ, महंगाई बढ़ रही है। बेरोजगारी, महिलाओं के खिलाफ अत्याचार बढ़ रहा है। भारत में इस यात्रा को जनसमर्थन मिल रहा है। महाराष्ट्र में ज्यादा समर्थन मिला। ऐसे में वीर सावरकर का मुद्दा लाने की जरूरत नहीं थी। उससे महाराष्ट्र विकास अघाड़ी में दरार पड़ सकती है। क्योंकि हम वीर सावरकर को हमारे श्रद्धा का स्थान मानते हैं और हमेशा रहेंगे।राउत ने भाजपा पर भी तंज कसा। कहा, श्हमारा सवाल नकली हिंदूत्ववादियों से है। हम दस साल से वीर सावरकर जी को भारत रत्न देने की मांग कर रहे हैं। केंद्र में भाजपा की सरकार है। इसके बावजूद वीर सावरकर को भारत रत्न क्यों नहीं दे रहे हैं?राहुल के खिलाफ एफआईआर भी

दर्ज विनायक दामोदर सावरकर के पोते रंजीत सावरकर ने भी इस मामले में राहुल गांधी के खिलाफ प्रतिक्रिया दी। उन्होंने मुंबई के शिवाजी पार्क पुलिस स्टेशन में राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज करवाई है। रंजीत का कहना है कि यह पहली बार नहीं है जब राहुल गांधी और कांग्रेस ने सावरकर का अपमान किया है। पहले भी उन्होंने सावरकर का अपमान किया है। अब यह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। क्या इस विवाद की वजह से महाविकास अघाड़ी में टूट हो सकती है? ये समझने के लिए हमने महाराष्ट्र के वरिष्ठ पत्रकार प्रदीप रायमुलकर से बात की। उन्होंने कहा, श्इस वक्त शिवसेना आंतरिक कलह से परेशान है। पार्टी के अस्तित्व पर पहले से ही खतरा है। भाजपा और शिवसेना एकनाथ शिंदे गुट लगातार उद्धव ठाकरे गुट को हिंदू विरोधी बताने में जुटे हैं। ऐसी स्थिति में राहुल गांधी का बयान बड़ा मुद्दा बन सकता है।रायमुलकर कहते हैं, श्महाराष्ट्र में मराठी लोग वीर सावरकर को आजादी का नायक मानते हैं। ऐसे में राहुल के बयान से कांग्रेस और शिवसेना उद्धव गुट में दरार पड़ने के आसार से इनकार नहीं किया जा सकता है। संजय राउत भी इसका जिक्र कर चुके हैं। हालांकि, ये इतना आसान नहीं होगा। अभी शिवसेना उद्धव गुट आंतरिक कलह से परेशान है। ऐसे में वह गठबंधन तोड़ने का रिस्क नहीं लेंगे। वह किसी तरह इस बयान से बचकर निकलने की कोशिश करेंगे। यही कारण है कि उद्धव ठाकरे ने राहुल गांधी पर ज्यादा टिप्पणी न करते हुए वीर सावरकर के लिए भारत रत्न की मांग करके गेंद भाजपा के पाले में ही कर दी है।

मोबाइल कोर्ट में लगी गुहार, काश! ऐसे ही रोजाना सुनवाई करते साहब

दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग की ओर से दिव्यांगजनों की समस्याओं के निस्तारण के लिए बृहस्पतिवार को मोबाइल कोर्ट का आयोजन बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में किया गया। जहां, मुख्य अतिथि राज्य आयुक्त, दिव्यांगजन अजीत कुमार सिंह ने 450 से अधिक दिव्यांगजनों की समस्याओं को संजीदगी से सुना और संबंधित विभाग को समस्या दूर करने का निर्देश दिया। अधिकारी से सीधे संवाद कर दिव्यांजनों ने कहा कि काश! रोजाना ऐसे ही सीध ो मंच पर सुनवाई होती तो हमें भटकना नहीं पड़ता। कैंपियरगंज के मौजा बसंतपुर सरूआताल के तोतीराम ने रोडवेज बस में कंडक्टर के द्वारा दुर्व्यवहार किए जाने के मामले को उठाया तो राज्य आयुक्त ने उन्हें घटना का दिन, बस का नंबर सहित ब्योरा उपलब्ध कराने को कहा। साथ ही परिवहन विभाग को मामले की जांच के निर्देश दिए।

व्यापारी नेता संजय सिंघानिया ने कोतवाली पुलिस पर दिव्यांगों के उत्पीड़न का आरोप लगाया तो राज्य आयुक्त ने एसएसपी को पत्र लिखकर दोबारा ऐसा व्यवहार न होने भरोसा दिलाया। भटहट तहसील के चौरीचौरा निवासी राधेश्याम का नंबर आया तो उनकी आंखें भर आईं। खुद को संभालते हुए कहा कि साहब ठेला चलाकर जीवन यापन करता हूं। आवास मिल जाए तो जीवन काटना आसान हो जाएगा। तो राज्य आयुक्त ने आवेदन जमा कराने और नियमानुसार आवास आवंटन की बात कही।

मोतीराम की प्रियंका ने रोजगार, मीरा ने विकलांग प्रमाणपत्र बनने में आ रही समस्याओं को उठाया। कहा कि सीएमओ दफ्तर से लौटा दिया जा रहा है। जिसपर राज्य आयुक्त ने सोमवार तक प्रमाणपत्र बनाने का निर्देश दिया। कृष्णदेव ने दिव्यांगता प्रमाणपत्र तो ननकू ने ऑनलाइन प्रमाणपत्र की समस्या को उठाया। राज्य आयुक्त ने समस्या दूर कराने का भरोसा दिलाया। सुबह 10 बजे से लेकर शाम पांच बजे तक दिव्यांगजनों की समस्त समस्याओं को राज्य आयुक्त ने सुना और उसे उचित पटल के माध्यम से हल करने का भरोसा दिलाया गया।

इस दौरान एडीएम प्रशासन पुरुषोत्तम दास गुप्ता, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी आशुतोष पांडेय, जिला दिव्यांगजन कल्याण अधिकारी संदीप मौर्य, दिव्यांगजन उपायुक्त शैलेंद्र कुमार सोनकर आदि मौजूद रहे।

विज्ञापन दर

समाचार पत्र का साइज 25x32

फुल पेज कलर प्रथम पेज 74 हजार रूपये मात्र।
फुल पेज कलर अंतिम पेज 49 हजार रूपये मात्र।
फुल पेज B/W प्रथम पेज 35 हजार रूपये मात्र।
फुल पेज B/W अंतिम पेज 19 हजार रूपये मात्र।
4x6 प्रथम पृष्ठ 3000 और दूसरी पेज 2000 ब्लैक
और कलर प्रथम पृष्ठ 5000 दुतीय पेज 3000
क्लासीफाइड विज्ञापन 250 रूपये मात्र।
क्लासीफाइड मंथली पांच हजार रूपये मात्र।
कोर्ट नोटिस प्रथम पार्टी 450 रूपये मात्र।

अधिक जानकारी के लिए कार्यालय मे सम्पर्क करे।
9918366626

मा0 मंत्री जी ने विद्यालय में विद्यार्थियों को स्मार्ट फोन किया वितरण

विद्यालय शिक्षा का मंदिर होता है, हमारे शिक्षक शिक्षा की लौ जलाते हैं और बच्चे इस लौ के प्रकाश को राष्ट्र के निर्माण व संस्कार में प्रकाशित करते हैं, जिस प्रकार से माता–पिता अपने बच्चों को संस्कार सहित आगे बढ़ता देखकर प्रसन्न होते है, उसी प्रकार शिक्षक भी शिष्य को आगे निकलता देख बहुत प्रसन्न होते है। उक्त बातें शुक्रवार को प्रदेश की मा0 उच्च शिक्षा राज्य मंत्री श्रीमती रजनी तिवारी ने करछना तहसील क्षेत्र के बीएमजी डिग्री कॉलेज बघेडा में आयोजित वार्षिकोत्सव एवं स्मार्टफोन वितरण कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रुप में कही। उन्होंने सरकार की ओर से चलाई जा रही राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विषय में लोगों को जानकारी दी कि इस शिक्षा के तहत संस्कार और रोजगार परक शिक्षा लोगों में मुहैया कराई जा रही है। मा0 मंत्री जी ने स्नातक कक्षाओं के अंतिम वर्ष के 237 छात्र–छात्राओं को स्मार्टफोन का वितरण भी किया। मुख्य अतिथि ने बीएमजीडिग्री कॉलेज बघेडा के प्राचार्य डॉ सत्य प्रकाश शुक्ल के इस कार्य की भूरि भूरि प्रशंसा भी की और उन्होंने आश्वस्त किया कि सरकार की ओर से शिक्षा के क्षेत्र में जो भी आवश्यकता पड़ेगी सरकार आपके द्वार पर खड़ी है। कार्यक्रम के आयोजक व संयोजक बीएमजी ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन बघेडा के निदेशक एनपी सिंह की ओर से कराए जा रहे सामाजिक क्षेत्रों में महिलाओं की दशा एवं दिशा सुधारने गरीबी उन्मूलन एवं शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे अनेक कार्यों के प्रति उन्होंने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ सभी अतिथियों की ओर से दीप प्रज्ज्वलन से किया गया। वहीं दूरदर्शन एवं उत्तर मध्य सांस्कृतिक केंद्र प्रयागराज के कलाकारों की ओर से सांस्कृतिक गीतों सहित नृत्य की प्रस्तुतियां भी हुई। विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे करछना विधायक श्री पीयूष रंजन निषाद ने अपने उद्बोधन में उच्च शिक्षा राज्य मंत्री से करछना विधानसभा क्षेत्र में एक राजकीय महिला महाविद्यालय की मांग की। अन्य विशिष्ट अतिथि में भाजपा यमुनापार के जिला अध्यक्ष श्री विभवनाथ भारती, करछना ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि कमलेश द्विवेदी, भाजपा के वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष त्रिवेणी प्रसाद पांडेय रहे। वहीं मुख्य वक्ता के रूप में केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली के प्रो मनोज कुमार मिश्र उपस्थित रहे। सभी अतिथियों को बीएमजी ग्रुप आफ इंस्टीट्यूशन बघेड़ा के निदेशक एनपी सिंह बीएमजी डिग्री कॉलेज बघेडा के प्राचार्य डॉ सत्य प्रकाश शुक्ल व व्यवस्थापक धर्मेंद्र सिंह की ओर से पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया और साथ ही साथ सभी मुख्य अतिथि समेत सभी विशिष्ट अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर और अंगवस्त्रम भेंट करके सम्मानित किया गया। इसके अलावा उक्त लोगों की ओर से सभी अतिथियों सहित समारोह में आए सभी आगंतुक गणमान्य लोगों के प्रति आभार भी जताया। समारोह की अध्यक्षता जिला पंचायत अध्यक्ष डां वीके सिंह ने किया। संचालन आकाशवाणी के उद्घोषक प्रमोद कुमार द्विवेदी ने किया। इसके साथ ही साथ दर्जनभर से अधिक इंटर कॉलेज के प्रबंधक व प्रधानाचार्यो समेत मीडिया कर्मियों को बीएमजी डिग्री कालेज के प्राचार्य डॉ सत्य प्रकाश शुक्ल की ओर से स्मृति चिन्ह देकर व अंगवस्त्रम भेंट कर सम्मानित किया गया। इस मौके पर रणविजय सिंह सुरेंद्र सिंह अरुण कुमार तिवारी डॉ अनिल कुमार पाठक विजय कुमार मिश्र, श्वेता शुक्ला, वंदना बाजपेई, सविता सिंह, सुरेंद्र सिंह, वीरू सिंह, संतोष शुक्ला, रूश्दा नाहिद, अम्बरीष तिवारी, कपिल तिवारी, सेवालाल पटेल, प्रदीप पांडेय, प्रभाकांत मिश्रा, राम मनोहर मिश्र, अलख नारायण शुक्ला, राजकुमार मिश्रा, शिशिन सिंह, रिंकू सिंह सहित विद्यालय के कर्मचारी व छात्र–छात्राएं मौजूद रही। तत्पश्चात मा0 मंत्री जी ने सर्किट हाउस के सभागार में शासकीयध अशासकीय महाविद्यालयों के प्राचार्यों के साथ बैठक करते हुए नई शिक्षा नीति की उपयोगिता के बारे में चर्चा की। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति विद्यार्थियों के स्वर्णिम विकास में कारगर सिद्ध होगी। उन्होंने उपस्थित प्राचार्यों को आश्वस्त करते हुए कहा कि सरकार आपके साथ है और जो भी समस्यायें होंगी, उनका शीर्ष प्राथमिकता पर समाधान किया जायेगा।

बाप के साथ बेटियों ने की थी आत्महत्या, दावे किए हजार, पर नहीं पहुंचा कोई कंधा देने वाला

ब्रह्मांड में जिस चीज का भार सबसे ज्यादा है वह है पिता के कंधे पर पुत्र की अरथी। बुजुर्ग ओमप्रकाश के कंधे पर तो ऐसे तीन भार थे। मगर उन्होंने इसे अकेले ही उठाया। मंगलवार की शाम को जब पोस्टमार्टम हाउस से उन्हें उनके पुत्र और दो पौत्रियों के शव मिले तो मदद के तमाम दावे करने वाले समाजों और संस्थाओं के लोगों में से कोई उनके साथ न था। अंतिम संस्कार से पूर्व जीतेंद्र, मान्या और मानवी को चार कंधे भी नसीब न हुए।

मंगलवार सुबह जब मान्या, मानवी और जीतेंद्र की आत्महत्या की खबर शहर में फैली तो सभी हतप्रभ रह गए। तमाम समाजों और संस्थाओं ने शोक संवेदनाएं व्यक्त कीं। ज्यादातर का कहना था कि जीतेंद्र ने अपनी पीड़ा साझा की होती तो उनकी सहायता की जाती। लेकिन, तीनों के अंतिम संस्कार के लिए कोई समाज, कोई संस्था सामने न आई।

शाहपुर थानाध्यक्ष ने मानवता दिखाई और पिकअप की व्यवस्था कर शवों को राजघाट तक पहुंचवा दिया। वहीं, घोसीपुरा के पार्षद प्रतिनिधि मंता लाल यादव ने अंत्येष्टि के सामान की व्यवस्था कराई। पुत्र और दोनों पौत्रियों को बुजुर्ग ओम प्रकाश श्रीवास्तव ने कांपते हाथों से मुखाग्नि दी।

सांसद और मेयर पहुंचे, पांच हजार की सहायता दी

एक परिवार के तीन सदस्यों की आत्महत्या की खबर पाकर सांसद रवि किशन शुक्ला और मेयर सीताराम जायसवाल बृहस्पतिवार को घोसीपुरवा पहुंचे और जीतेंद्र के बुजुर्ग पिता ओमप्रकाश श्रीवास्तव को ढांढस बंधाया। वहीं, मेयर सीताराम जायसवाल ने उन्हें पांच हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी। घटना पर शोक संवेदना व्यक्त करते हुए सांसद ने कहा कि यह अत्यंत ही पीड़ादायक घटना है। अगर समय रहते दिवंगत जीतेंद्र ने अपनी बात कही होती तो हर संभव मदद की जाती। दोनों बच्चियों की फीस की व्यवस्था की जाती। इस दौरान ओमप्रकाश ने मुख्यमंत्री राहत कोष से मदद के लिए तहसीलदार सदर विकास सिन्हा को ज्ञापन सौंपा।

गोरखपुर में डेंगू का कहर जारी

गोरखपुर में डेंगू मरीजों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। बृहस्पतिवार को हुई जांच में दो मासूमों समेत पांच लोग डेंगू संक्रमित मिले हैं। इसके बाद से कुल मरीजों की संख्या 237 हो गई है। इनमें 150 शहर और 87 ग्रामीण क्षेत्र के रहने वाले हैं।

जिला मलेरिया अधिकारी अगंद सिंह ने बताया कि बेतियाहाता, घोष कंपनी, हुमायुंपुर, डुमरी खास और अहमद नगर में एक–एक मरीज मिले हैं। किट से हुई जांच में रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद एलाइजा जांच कराई गई है। इनकी उम्र क्रमशरू 16, 27, चार, पांच और 50 वर्ष है। बताया कि जांच में मच्छरों के लार्वा मिलने पर पांच घरों को नोटिस भी दिया गया है। 1,125 स्थानों पर सोर्स रिडक्शन किया गया है।

इंटीग्रेटेड कोविड कमांड सेंटर को डेंगू रोगियों के लिए सक्रिय कर दिया गया है। यह सेंटर अब डेंगू पीड़ितों की मदद करेगा। सेंटर के 9532041882, 9532797104 एवं 0551–2202205 नंबर पर मदद के लिए फोन किया जा सकता है। प्रभारी सुनीता पटेल ने बताया कि कोरोना मरीजों की तर्ज पर डेंगू मरीजों की इलाज में सहायता की जाएगी। नंदा नगर स्थिति 100 बेड टीबी अस्पताल को डेंगू मरीजों के लिए डेडीकेटेड अस्पताल बनाया गया है। सभी 100 बेड डेंगू मरीजों के लिए आरक्षित कर दिए गए हैं। 50 बेड पर मच्छरदानी भी लगा दी गई है। मरीजों के बढ़ने पर अन्य बेडों पर भी मच्छरदानी की व्यवस्था की जाएगी। सीएमओ डॉ. आशुतोष कुमार दूबे ने बताया कि अस्पताल में डॉक्टर और पैरामेडिकल स्टॉफ पहले से हैं। 20 स्टॉफ नर्स व 20 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को वहां तैनात किया गया है।

स्वास्थ्य विभाग की ओर से डेंगू के हर पुष्ट मामले की जांच में यह बात सामने आई है कि जिले में 57 प्रतिशत मरीज बिना किसी अस्पताल में भर्ती हुए ठीक हो गए हैं। जिला मलेरिया अधिकारी अंगद सिंह ने बताया कि टीम के सर्वेक्षण में मरीजों की केस हिस्ट्री लेने पर यह तथ्य सामने आया है कि अस्पताल जाने वाले ज्यादातर मरीज वही हैं जिन्होंने डेंगू के इलाज का प्रोटोकॉल नहीं माना है। इन लोगों ने लक्षण दिखने पर न तो समय से जांच कराई, न प्रशिक्षित चिकित्सक की दवा ली, न बेड रेस्ट किया और न ही खानपान में कोई सुधार किया। कुल 232 मरीजों की केस हिस्ट्री ली गई। इसमें से 133 मरीज इलाज से घर पर ठीक हुए हैं। अपने मन से ले रहे हैं दवाई सहायक मलेरिया अधिकारी सीपी मिश्रा ने बताया कि वह टीम के साथ डेंगू के पुष्ट मरीजों के सर्वे के लिए गए तो अस्पताल में भर्ती होने वाले ज्यादातर मरीज ऐसे मिले, जिन्होंने लक्षण आने के बाद दवा ली और फिर लक्षण जाते ही दवा बंद कर दी। उनकी शारीरिक गतिविधियां बंद नहीं हुईं, इससे उनका मर्ज बढ़ता गया। सीएमओ डॉ. आशुतोष कुमार दूबे ने कहा कि डेंगू के रैपिड जांच की सुविधा सभी सरकारी अस्पतालों में निशुल्क है। रैपिड जांच के अलावा उनकी एलाइजा जांच भी निशुल्क कराई जाती है। विभाग के सर्वे में सामने आया है कि जो लोग प्रोटोकाल का पालन कर रहे हैं, वे घर पर ही ठीक हो गए हैं।

व्यक्ति नहीं संगठन लड़ेगा चुनाव (गणेश केसरवानी)

18 नवंबर प्रयागराज, भारतीय जनता पार्टी दरियाबाद वार्ड के कार्यकर्ता समागम दरियाबाद बलुआघाट में आयोजित किया गया

इस अवसर पर समागम के मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी के महानगर अध्यक्ष गणेश केसरवानी ने कार्यकर्ताओं से कहा कि हमें इस बार नगर निकाय के चुनाव में वहां भी कमल खिलाना है जहां पर बंजर भूमि माना जाता है उन्होंने आगे कहा कि भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता असंभव सा दिखने वाला कार्य भी संभव करके दिखाते हैं और कहा कि लोग कहा करते थे राम मंदिर का निर्माण और धारा 370 को हटाना सिर्फ भाजपा का नारा है क्योंकि यह कभी संभव नहीं होगा लेकिन भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने असंभव कार्य को संभव करके दिखाया और केंद्र और प्रदेश में एक मजबूत सरकार बना कर हमने अपने संकल्पों को सिद्ध किया और दुनिया को दिखा दिया जो हम कहते वह करते हैं क्योंकि भारतीय जनता पार्टी के लिए नारा सिर्फ नारा नहीं बल्कि वह संकल्प का मंत्र होता है और आगे कहा कि भारतीय जनता पार्टी हर चुनाव संगठन के बल पर लड़ती है और आगामी नगर निकाय का चुनाव भी व्यक्ति नहीं बल्कि संगठन लड़ेगा और जीतेगा

इस अवसर पर मुट्ठीगंज मंडल के प्रभारी देवेंद्र मिश्रा मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी एवं पूर्व पार्षद शैलेंद्र मिश्रा ने कहा कि हम सभी को संगठन के द्वारा आए हुए सभी करणीय कार्यों को सफल बनाना है जिससे कि हम हर वार्ड में कमल खिला सके

कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल संयोजक अजय अग्रहरि ने किया एवं संचालन पिछड़ा मोर्चा के मंडल अध्यक्ष सुशील निषाद ने किया

स्वागत एवं धन्यवाद वार्ड अध्यक्ष राम बाबू जी ने किया। इस अवसर पर विशेष रूप से राजन शुक्ला, किशोरी लाल जायसवाल,प्यारेलाल जायसवाल, किशन चंद्र जायसवाल, आनंद मिश्रा, सत्या जायसवाल, आशीष जायसवाल, आलोक वैश्य, रोहित भारतीय मालती केसरवानी, विशाल साहू,नीरज केसरवानी, लव कुश केसरवानी,जावेद मुन्ना , विनय जायसवाल, अमन कुमार, एवं वार्ड के सभी बूथ कार्य समिति के सदस्य एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रयागराज शैलेश कुमार पाण्डेय द्वारा पुलिस कार्यालय मे....

आज दिनांक 18,11,2022 को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रयागराज शैलेश कुमार पाण्डेय द्वारा पुलिस कार्यालय में आये हुये शिकायतकर्ताओं की शिकायत को सुनकर सम्बन्धित अधिकारी/थानाध्यक्षो को आश्यक दिशा निर्देश दिये गये।अरुण मित्र समाचार पत्र दैनिक आशा प्रहरी से उमेश चन्द्र द्विवेदी व पवन कुमार गुप्ता।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला उद्योग बन्धु समिति की बैठक सम्पन्न

जिलाधिकारी श्री संजय कुमार खत्री की अध्यक्षता में शुक्रवार को संगम सभागार में जिला उद्योग बन्धु समिति की बैठक आयोजित की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को उद्यमियों की समस्याओं को शीर्ष प्राथमिकता पर निस्तारित करने के निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि उद्योग धंधों को बढ़ावा देना सरकार की प्राथमिकता है, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता स्वीकार्य नहीं है। बैठक में जिलाधिकारी ने विद्युत विभाग सहित अन्य सम्बंधित विभागों को औद्योगिक क्षेत्र नैनी में विद्युत, साफ–सफाई सहित अन्य उद्यमियों की समस्याओं को प्राथमिकता पर निस्तारित करने के निर्देश दिए है। उन्होंने मे0 भार्गव पैकेटेक, इण्डियन प्रेस के प्रकरण में विद्युत विभाग से जानकारी ली, जिसमें विद्युत विभाग के अधिशाषी अभियंता के द्वारा बताया गया कि कमेटी का गठन कर दिया गया है, आगे की कार्यवाही की जा रही है।मे0 तरूण इण्टरप्राइजेज नैनी द्वारा जमा धनराशि के रिफंड के प्रकरण में जिलाधिकारी ने विद्युत विभाग को मामले का यथाशीघ्र निस्तारण कराये जाने के निर्देश दिए है। मे0 त्रिवेणी इलेक्ट्रोप्लास्ट प्रा0लि0 के प्रकरण में जिलाधिकारी ने आईटीआई नैनी के प्रधानाचार्य को 10 दिन के अंदर भुगतान की कार्यवाही पूरे किए जाने के निर्देश दिए है, नहीं तो प्रधानाचार्य के विरूद्ध कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी। शासन द्वारा संचालित रोजगारपरक योजनाओं में अग्रणी बैंक प्रबंधक (एलडीएम) को योजनाओं से सम्बंधित लाभार्थियों के लम्बित पत्रावलियों का शत–प्रतिशत निस्तारण सुनिश्चित कराये जाने के निर्देश दिए है। जिलाधिकारी ने उद्यमियों को उद्योगों को और विकसित किए जाने के लिए भी प्रेरित किया है। तत्पश्चात जिलाधिकारी ने अडानी गैस के अधिकारियों के साथ गैस लीकेज की रोकथाम एवं सुरक्षा के उपायों के सम्बंध में बैठक करते हुए कहा है कि गैस लीकेज सम्बंधी समस्या न हो, इसके लिए एलर्ट रहने के लिए कहा है। इस अवसर पर उपायुक्त उद्योग सहित उद्योग बंधु से श्री मुरारी लाल अग्रवाल, श्री संतोष त्रिपाठी, श्री नटवर लाल भारती सहित अन्य उद्यमीगण उपस्थित रहे।

मा0 मंत्री जी ने कोरांव तहसील के ग्राम बेलहट में बन रहे अटल आवासीय विद्यालय का निरीक्षण किया

मा0 मंत्री, श्रम एवं सेवायोजन, समन्वय विभाग, उ0प्र0 सरकार श्री अनिल राजभर जी ने शुक्रवार को कोरांव तहसील के ग्राम बेलहट में बन रहे अटल आवासीय विद्यालय का निरीक्षण किया। मा0 मंत्री जी ने कार्यदायी संस्था को अटल आवासीय विद्यालय का निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा में पूर्ण कराये जाने का निर्देश दिया है साथ ही साथ उन्होंने यह भी निर्देशित किया है कि निर्माण कार्य की गुणवत्ता मानक के अनुरूप होनी चाहिए। उन्होंने कराये गये कार्यों का थर्ड पार्टी से जांच कराये जाने के लिए भी कहा है साथ ही साथ उन्होंने पीडब्लूडी विभाग के अधिकारियों को निर्माण कार्यों में लगायी जा रही सामग्री का नियमित रूप से अनुश्रवण करते रहने का निर्देश दिया है। मा0 मंत्री जी ने अटल आवासी विद्यालय में कार्य कर रहे श्रमिकों का श्रम कार्ड भी बनाये जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा है कि विद्यालय में पीने के पानी सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थायें भी समय से सुनिश्चित हो जाये, जिससे कि निर्धारित समय में विद्यालय का संचालन प्रारम्भ हो सके। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी श्री शिपू गिरि, पीडब्लूडी विभाग के अभियंतागण, उपश्रमायुक्त श्री राजेश मिश्रा, सहायक श्रमायुक्त सहित अन्य सम्बंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सेवा कार्य ही परमात्मा को भाता है (गणेश केसरवानी)

18 नवंबर प्रयागराज, ओम जागृति सेवा संस्था के द्वारा मुट्ठीगंज में असहाय दिव्यांग भाई–बहनों एवं वृद्ध जनों को कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन संस्था के अध्यक्ष नीरज केसरवानी के द्वारा आयोजित किया गया कार्यक्रम का उद्घाटन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा महानगर अध्यक्ष गणेश केसरवानी ने दीप प्रज्वलित करते हुए किया और इस अवसर पर उन्होंने कहा कि संपूर्ण विश्व में मातृ भारत ही एक ऐसा देश है जहां मानवता का दर्शन दिखाई पड़ता है जहां दीन दुखियों की सेवा करना ही प्रतीक भारत वासियों का बहुमूल्य सद्गुण होता है उन्होंने कहा कि दुनिया के कई ऐसे देश है जो सिर्फ अपने स्वार्थ तानाशाह और आतंकवाद के लिए जाने जाते हैं पर भारत एक ऐसा देश है जो मानव सेवा के लिए जाना जाता है उन्होंने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिव्य एवं भव्य कुंभ के दौरान प्रयाग की धरती पर आकर स्वच्छता प्रहरियों का पांव पखार कर पूरी दुनिया में भारत की संस्कृति भारत की आध्यात्मिकता भारत की समरसता का आदर्श संदेश दिया था और प्रयागराज की धरती पर दिव्यांग भाई–बहनों को आधुनिक उपकरण संयंत्र वितरण किया और विकलांग शब्द को हटाकर दिव्यांग शब्द की उपाधि देकर उन्हें सम्मान के साथ जी ने का हक दिया और स्वामी विवेकानंद जी का वह मूल मंत्र सेवा कार्य ही परमात्मा को भाता है चरितार्थ किया

इस अवसर पर क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अवधेश चंद्र गुप्त ने कहा कि दीन हीन असहाय लोगों की सेवा करना ही मानव जीवन का मूल कर्तव्य है जिसे हर व्यक्ति को करना चाहिए क्योंकि मानवता की सेवा ही ईश्वर की सेवा है

इस अवसर पर कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि जय शिव सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओंकार नाथ त्रिपाठी एवं पथरचट्टी रामलीला कमेटी के मीडिया प्रभारी लल्लू लाल सौरभ गुप्ता एवं जनहित संघर्ष समिति के अध्यक्ष प्रमिल केसरवानी ने कहा कि उत्कृष्ट जीवन की साधना है मानवता की सेवा करना

कार्यक्रम के मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने बताया कि इस अवसर पर असहाय 112 दिव्यांग भाई–बहनों को एवं 144 वृद्धजनों को कंबल वितरण किया गया

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संस्था के अध्यक्ष नीरज केसरवानी एवं भाजपा मंडल संयोजक अजय अग्रहरि ने आए हुए सभी अतिथियों को अंगवस्त्रम एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया

कार्यक्रम का संचालन पारसनाथ केसरवानी ने किया

इस अवसर पर प्रमुख रूप से विवेक अग्रवाल, किशोरी लाल जायसवाल, किशन चंद्र जायसवाल , रामजी गुप्ता ,राजू जायसवाल, जगदीश जग्गा ,आलोक साहू, अजय अग्रहरि, सुनील केसरवानी पप्पू कटरा मन्नू जायसवाल सुनील जायसवाल पप्पू जी सुभाष केसरवानी दिलीप केसरवानी मौनी ,आनंद गुप्ता, प्यारेलाल जायसवाल सत्या जायसवाल, आशीष जायसवाल, बबलू केसरवानी, आलोक वैश्य,एवं सैकड़ों दिव्यांग भाई बहन वृद्धजन उपस्थित रहे

माघ मेला 2022–23 को सकुशल संपन्न कराए जाने के दृष्टिगत मंडलायुक्त एवं मंडल रेल प्रबंधक की अध्यक्षता में समन्वय बैठक संपन्न हुई

माघ मेले 2022–23 की भीड़ प्रबंधन संबंधित सभी तैयारियां 2019–20 के माघ मेले में आई भीड़ को बेस मानते हुए की जाएंगी।

मंडलायुक्त ने रेलवे एवं जिला प्रशासन के अधिकारियों की संयुक्त टीम गठित कर भीड़ प्रबंधन हेतु नॉर्मल अथवा एक कंटीन्जेसी प्लान तैयार करने का भी प्रस्ताव दिया है जिसके अंतर्गत दोनों ही विभागों के अधिकारी संयुक्त सिग्नेचर कर प्लान का सत्यापन करेंगे।

उन्होंने वॉलिंटियर्स की एक बड़ी टीम तैयार कर उनका ओरियंटेशन कराने का भी निर्देश दिया है जिनका इस्तेमाल मेला क्षेत्र, रेलवे स्टेशन तथा अन्य शहरी इलाकों में भीड़ प्रबंधन हेतु किया जा सके।

वॉलिंटियर्स का 100–100 व्यक्तियों का ग्रुप तैयार कर उनका ओरियंटेशन कराने के भी निर्देश दिए हैं। इन सभी वॉलिंटियर्स को कार्य के पश्चात जिला प्रशासन की तरफ से सर्टिफिकेट दिया जाएगा। इनके चिन्हीकरण हेतु इन्हें ष्क्या मैं आपकी सहायता कर सकता हूं टी–शर्ट ष् पहनाने का सुझाव दिया गया है। इस बार शहर के विभिन्न स्थानों में भी साईनेज लगाए जाएंगे जिससे कि श्रद्धालुओं को मेला क्षेत्र तक पहुंचने में कोई कठिनाई न हो।

शहरी एवं मेला क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर कलर कोटेड साईनेज लगाने का भी प्रस्ताव है, जो विभिन्न रेलवे स्टेशनो तक ले जाने के मार्ग के साथ–साथ किस दिशा में वहां से ट्रेन मिलेगी इससे संबंधित जानकारी भी देंगे। इन सभी कलर कोडेड साईनेज को रेलवे द्वारा प्रयोग किए जा कलर कोडेड साईनेज को ध्यान में रखते हुए बनाया जाएगा।

माघ स्नान उपरांत तीर्थाटन हेतु जाने की प्रथा को ध्यान में रखते हुए अयोध्या एवं विंध्याचल मार्ग पर स्पेशल ट्रेन चलाने की भी बात भी की गई है।

माघ मेले से पहले सभी रेलवे स्टेशनों के आस–पास से तथा नवाब युसूफ रोड से एंक्रोचमेंट हटाने पर भी चर्चा की गई है।

माघ मेला 2022–23 को सकुशल संपन्न कराए जाने के दृष्टिगत मंडलायुक्त श्री विजय विश्वास पंत एवं मंडल रेल प्रबंधक श्री मोहित चंद्रा की अध्यक्षता में रेलवे एवं जिला प्रशासन के अधिकारियों की समन्वय बैठक मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय स्थित सभागार में संपन्न हुई। बैठक में पूर्व में आयोजित किए गए माघ मेलों से सीख लेते हुए कुछ आवश्यक निर्णय लिए गए जिसके अंतर्गत माघ मेले 2022–23 की भीड़ प्रबंधन संबंधित सभी तैयारियां 2019–20 के माघ मेले में आई भीड़ को बेस मानते हुए की जाएंगी। मंडलायुक्त ने रेलवे विभाग को विभिन्न स्टेशनों पर ट्रेनों के संचालन संबंधित निर्णय भी उसी को ध्यान में रखते हुए लेने की अपील की है।

मंडलायुक्त ने रेलवे एवं जिला प्रशासन के अधिकारियों की संयुक्त टीम गठित कर माघ मेले की भीड़ प्रबंधन के दृष्टिगत एक नॉर्मल अथवा एक कंटीन्जेसी प्लान तैयार करने का भी प्रस्ताव दिया है जिसके अंतर्गत दोनों ही विभागों के अधिकारी संयुक्त सिग्नेचर कर प्लान का सत्यापन करेंगे। इसके अतिरिक्त उन्होंने जिलाधिकारी को वॉलिंटियर्स की एक बड़ी टीम तैयार कराने का भी निर्देश दिया है जिससे कि पुलिस एवं सिविल डिफेंस के अतिरिक्त इन वॉलिंटियर्स का इस्तेमाल मेला क्षेत्र, रेलवे स्टेशन तथा अन्य शहरी इलाकों में भीड़ प्रबंधन हेतु किया जा सके। उन्होंने इन वॉलिंटियर्स का 100–100 व्यक्तियों का ग्रुप तैयार कर उनका ओरियंटेशन कराने के भी निर्देश दिए हैं। इन सभी वॉलिंटियर्स को कार्य के पश्चात जिला प्रशासन की तरफ से सर्टिफिकेट दिया जाएगा। इनके चिन्हीकरण हेतु इन्हें ष्क्या मैं आपकी सहायता कर सकता हूं टी–शर्ट ष् पहनाने का सुझाव भी मंडल आयुक्त द्वारा दिया गया है।

इसी क्रम में श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा प्रदान करने के दृष्टिगत मेला क्षेत्र के साथ–साथ इस बार शहर के विभिन्न स्थानों में भी साईनेज लगाए जाएंगे जिससे कि श्रद्धालुओं को मेला क्षेत्र तक पहुंचने में कोई कठिनाई न हो। शहरी एवं मेला क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर कलर कोटेड साईनेज लगाने का भी प्रस्ताव है, जो विभिन्न रेलवे स्टेशनो तक ले जाने के मार्ग के साथ–साथ किस दिशा में वहां से ट्रेन मिलेगी इससे संबंधित जानकारी भी देंगे। इन सभी कलर कोडेड साईनेज को रेलवे द्वारा प्रयोग किए जा कलर कोडेड साईनेज को ध्यान में रखते हुए बनाया जाएगा।

माघ स्नान उपरांत भारी मात्रा में श्रद्धालुओं का तीर्थाटन हेतु अयोध्या एवं अन्य स्थानों में जाने की प्रथा को ध्यान में रखते हुए मंडल रेल प्रबंधक ने अयोध्या एवं विंध्याचल मार्ग हेतु स्पेशल ट्रेन चलाने की भी बात की है परंतु यह निर्णय आई हुई भीड़ को देखते हुए उसी समय लिया जाएगा।

इसी क्रम में जिलाधिकारी श्री संजय कुमार खत्री ने रेलवे के अधिकारियों से सभी स्टेशंस पर मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने, मेला क्षेत्र में दो टिकट काउंटर बनाने तथा स्टेशन के आसपास रैन बसेरा का इंतजाम करने की अपील की। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री शैलेश पांडे ने रेलवे स्टेशनों की फीड पुलिस के साथ साझा करने तथा ट्रैफिक पुलिस के अधिकारियों को मेला संबंधित जानकारी के बारे में ट्रेनिंग देने पर जोर दिया। बैठक में माघ मेले से पहले सभी रेलवे स्टेशनों के आस–पास से तथा नवाब युसूफ रोड से एंक्रोचमेंट हटाने पर भी चर्चा की गई है।

एडीजी कार्यलय पर धरना दे रही दलित महिला को महिला पुलिस ने हिरासत में लिया

प्रयागराज 18 नवम्बर। थानां करछना अंतर्गत सेमरी ताल का पूरा निवासी दलित महिला की गांव के दबंगो ने उसकी जमीन कब्जा कर ली परेशान पीड़ित महिला दबंगों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराने की मांग को लेकर शुक्रवार को सुबह दस बजे एडीजी प्रयागराज जोन के दप्तर के सामने धरने पर बैठ गयी,धरने की जानकारी मिलते ही सिविल लाइंस पुलिस हरकत में आई महिला थाने की पुलिस ने पहले समझाया कि धरना हटा लें किन्तु पीड़िता के न मानने पर लगभग सवा बारह बजे धरना दे रही 65 वर्षीय चंदो देवी व उसकी पुत्र बधू बिटोला को हिरासत में लेकर थाने पर ले गयी फिर लगभग सायं चार बजे छोड़ दिया गया। प्रश्न यह उठता है कि 65 वर्षीय वृद्ध महिला और उसकी पुत्र बधू को जिस महिला पुलिस ने हिरासत में लिया फिर चार घण्टे बाद उसे छोड़ दिया उस महिला पुलिस ने यह नही सोचा कि वृद्ध महिला व उसकी पुत्र बधू शहर से लगभग 40 किलोमीटर दूर कैसे अपने घर पहुचेगी तनिक भी विचार नही किया। वृद्ध महिला का बेटा भाइयन कहना है कि महिला पुलिस को अपने संरक्षण में घर भेजवाने की व्यवस्था करनी चाहिए थी। परेशान बेटे ने नाराजगी जताते हुए कहा कि जिले अफसरों ने दबंगो के विरुद्ध कोई कार्यवाही नही की है अब मजबूरन सोमवार 21 नवम्बर को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलकर न्याय की फरियाद करेंगे।

झुग्गी झोपड़ी
हिन्दी दैनिक

सम्पादकीय

आंतरिक अस्थिरता फैलाने के लिए चलाए जाने वाले दुष्प्रचार इसके उदाहरण, कैसे बचेंगे

दिल्ली स्थित राष्ट्रीय सुरक्षा कॉलेज के दीक्षांत समारोह में केंद्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि देश के शत्रु चीन और पाकिस्तान की सीमा पर तो सक्रिय हैं ही, लेकिन देश को दुश्मनों के गैर–परंपरागत युद्धों से भी काफी खतरा है। और यह है दुश्मन देशों द्वारा चलाया जाने वाला सूचना और साइबर युद्ध। उन्होंने इन दुश्मनों से लड़ने के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय से आग्रह किया कि पूरे विश्व को मिलकर इसका मुकाबला करना चाहिए, तभी इन पर विजय संभव है!

इस युद्ध का मुख्य उद्देश्य होता है, देश में सामाजिक अस्थिरता पैदा कर देश के टुकड़े–टुकड़े करवाना। जो काम पहले युद्धों द्वारा किया जाता था, उसे अब सूचना युद्ध द्वारा किया जाता है। विश्व के अनेक देशों में आंतरिक अस्थिरता फैलाने के लिए चलाए जाने वाले दुष्प्रचार इसके उदाहरण हैं। जम्मू–कश्मीर, पंजाब और पूर्वोत्तर के मणिपुर में पनप रहा आतंकवाद इसके उदाहरण हैं। सूचना तथा साइबर युद्ध के कारण देश की आंतरिक तथा बाह्य सुरक्षा के बीच अंतर कम होता जा रहा है!

आतंकवाद देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए खतरा उत्पन्न करता है, परंतु इन आतंकियों को धन, प्रशिक्षण और हथियार देश के दुश्मन उपलब्ध कराते हैं। जम्मू–कश्मीर में आतंकियों को पूरी सहायता तथा निर्देश आईएसआई से ही मिलते हैं! आज सूचना युद्ध के जरिये समाज में आसानी से विद्वेष फैलाया जा सकता है! दिल्ली में नागरिकता संशोधन कानून के विरुद्ध लंबे समय तक ध रना–प्रदर्शन चला। इसके लिए अल्पसंख्यक वर्ग में सरकार के विरुद्ध तरह–तरह की भ्रामक सूचनाएं फैलाकर देश विरोधी भावनाएं भड़काकर उन्हें प्रदर्शन एवं दंगों के लिए तैयार किया गया। यूक्रेन–रूस युद्ध में भी इस सूचना युद्ध की बहुत बड़ी भूमिका सामने आई है, जिसके कारण महाशक्ति कहा जाने वाला रूस अब तक सफलता प्राप्त नहीं कर सका है! पश्चिमी मीडिया ने रूसी सैनिकों का मनोबल इतना गिरा दिया है कि कई मोर्चों पर से रूसी सेना पीछे हट रही है। भारत में विभिन्न समुदायों और जातियों के बीच अक्सर छोटे–छोटे मुद्दों पर विवाद होता रहता है, और पाकिस्तान इसका फायदा उठाना चाहता है। पाकिस्तान के एजेंट देश के विभिन्न भागों में अल्पसंख्यक समुदाय में अनजाना भय पैदा कर जगह–जगह तनाव पैदा करते रहते हैं।

इसका सबसे बड़ा उदाहरण नागरिकता संशोधन कानून है, जिसकी गलत विवेचना कर लोगों को प्रदर्शन के लिए उकसाया गया। ऐसे प्रदर्शनों को उग्र बनाने के लिए ये एजेंट ऐसी हरकतें करते हैं, जिससे सुरक्षा बलों को बल प्रयोग करना पड़े और देश में अशांति एवं अस्थिरता का माहौल पैदा हो। इसीलिए शासन तंत्र को चलाने वाले नौकरशाहों, पुलिस अधिकारियों तथा विदेश सेवा के उच्च स्तर के अधिकारियों को भी राष्ट्रीय सुरक्षा का प्रशिक्षण राष्ट्रीय सुरक्षा कॉलेज, दिल्ली में सेना के अधि ाकारियों के साथ दिया जाता है!

इसलिए रक्षामंत्री ने उच्च स्तर के अधिकारियों को उनके प्रशिक्षण पूरा होने पर राष्ट्रीय सुरक्षा के नए खतरों के प्रति सावधान किया। जाहिर है, आज के आधुनिक युग में युद्ध केवल सीमा पर लड़ने वाले सैनिक ही नहीं लड़ेंगे, बल्कि इस युद्ध में देश के हर नागरिक की भागीदारी होगी! विशेषज्ञों के अनुसार, रूस–यूक्रेन युद्ध में युद्ध का सबसे बड़ा कारण आर्थिक पहलू है! विश्व की महाशक्ति अमेरिका, जिसने नाटो गठबंधन को तैयार किया है, रूस की आर्थिक नाकाबंदी करके रूसी गैस और तेल की आपूर्ति को बाधित करना चाहता है, ताकि रूस की आर्थिक व्यवस्था चौपट की जा सके!

इस समय भारत और चीन के बीच भी आर्थिक प्रतिस्पर्धा दिन–पर–दिन कड़ी होती जा रही है! चीन भारत के उत्पादों के निर्यात पर लगाम लगाकर भारत की आर्थिक स्थिति खराब करना चाहता है! इसके लिए वह पाकिस्तान के साथ साझा आर्थिक गलियारा बना रहा है, ताकि वह पाकिस्तान निर्मित उत्पादों के जरिये भारतीय उत्पादों को टक्कर दे सके।

भारतीय क्रिकेट टीम अब प्रयोग नहीं, स्थायी कप्तान की जरूरत

ऑस्ट्रेलिया में टी–20 वर्ल्ड कप खत्म हो चुका है और कप लेकर इंग्लैंड की टीम घर लौट चुकी है, पर भारत की सेमीफाइनल में शर्मनाक हार के बाद सबकी नजरें भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) पर हैं। कयास टीम इंडिया में अमूलचूल परिवर्तन के लगाए जा रहे हैं। खासकर निशाने पर कप्तान रोहित शर्मा हैं, जिनका प्रदर्शन पूरे टी–20 वर्ल्ड कप के दौरान बेहद दोयम दर्जे का रहा। रोहित शर्मा कोई भी बड़ी और जिताऊ पारी नहीं खेल सके। अब नेतृत्व परिवर्तन की संभावनाएं तेज हो गई हैं।

बीसीसीआई लगातार प्लेइंग इलेवन को लेकर प्रयोग करता आ रहा है। शायद यह भी टी–20 वर्ल्ड कप में हार का कारण रहा है। बीसीसीआई लगातार शिखर धवन, हार्दिक पांड्या, मोहम्मद शामी और ऋषभ पंत को आजमा रहा है। यह प्रयोग 18–30 नवंबर के बीच भारत–न्यूजीलैंड सीरीज में भी जारी रहेगा। बीसीसीआई से सवाल पूछा जाना चाहिए कि उसकी क्या मजबूरी है, वो सीनियर खिलाड़ियों को आराम देकर कप्तान खोजो अभियान में जुटा है।

न्यूजीलैंड दौरे पर दो कप्तान

न्यूजीलैंड दौरे पर टी–20 और वनडे के लिए अलग–अलग कप्तान तय किए गए हैं। टी–20 की कप्तानी हार्दिक पांड्या करेंगे, जो एक हरफनमौला खिलाड़ी हैं। अपनी आक्रमक क्रिकेट के लिए जाने जाते हैं। हार्दिक के नेतृत्व में जो टीम न्यूजीलैंड दौरे पर रहेगी, उसमें उप कप्तान ऋषभ पंत को बनाया गया है। ऋषभ भी बीसीसीआई की कप्तान प्रयोगशाला का हिस्सा हैं। हालांकि, उन्हें वैसी सफलता नहीं मिली, जैसी उम्मीद की जा रही थी। कुछ लोग ऋषभ में भारत के सफलतम कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को भी खोजने लगते हैं, पर दोनों में तुलना नहीं हो सकती है। ऋषभ की उम्र अभी काफी कम है और उन्हें क्रिकेट में एक लंबा सफर तय करना है।

न्यूजीलैंड भेजी जा रही टीम में अधिकांश युवा चेहरे हैं। ऑलराउंडर दीपक हुड्डा व वॉशिंगटन सुंदर, विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन व संजू सैमसंग, टॉप ऑर्डर बल्लेबाज श्रेयस अय्यर, ओपनर शुभमन गिल, मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव, गेंदबाज यजुवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, भुवनेश्वर कुमार, हर्षल पटेल, उमरन मलिक को शामिल किया गया है।

वनडे टीम में शिखर कप्तान हैं और हार्दिक को आराम दे दिया गया है। शिखर के साथ उप कप्तान पंत समेत अधिकांश खिलाड़ी टी–20 टीम के हैं। दीपक चाहर, कुलदीप सेन, शाहबाज अहमद को वनडे टीम में शामिल किया गया, जबकि भुवनेश्वर कुमार, ईशान किशन, हर्षल पटेल और मोहम्मद सिराज को आराम दे दिया गया।

न्यूजीलैंड भेजी गई टीम को देखकर साफ लग रहा है कि बीसीसीआई भारत की टी–20 वर्ल्ड कप में शर्मनाक हार के बाद सबक नहीं ले रही। आखिर टीम मैनेजेंट के आगे क्या मजबूरी है, जो अपने करियर के अंतिम पड़ाव पर चल रहे शिखर धवन को नेतृत्व दिया जा रहा है। क्या हार्दिक को वनडे की भी कमान नहीं सौंपी जा सकती? हार्दिक लंबे अर्से से बेहतरीन प्रदर्शन करते आ रहे हैं। टी–20 वर्ल्ड में भी उन्होंने अपनी छाप छोड़ी। पाकिस्तान के खिलाफ अहम मुकाबले में टीम की जीत में उनकी भूमिका रही। सेमीफाइनल में उनके अर्द्धशतक की बदौलत टीम सम्मानजनक स्कोर बना सकी। हार्दिक की नेतृत्व क्षमता इंडियन प्रीमियर लीग और टीम इंडिया को लीड करने के जो मौके उन्हें मिले हैं, उसमें देखी जा चुकी है।

टीम को स्थाई कप्तान की जरूरत

बीसीसीआई को अब आगे प्रयोगों से बचते हुए नया स्थाई कप्तान नियुक्त करने की आवश्यकता है। भले वो हार्दिक हो या ऋषभ पंत। कप्तान बनने के बाद रोहित शर्मा के प्रदर्शन में भी गिरावट आई है। कप्तानी से मुक्त होने पर निश्चित ही रोहित दोबारा अपने पुराने रंग में दिखेंगे। बीसीसीआई को सीनियर खिलाड़ियों की गैर हाजिरी पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है।

रोहित शर्मा के अलावा विराट कोहली, जसप्रीत बुमराह, के.एल. राहुल जैसे खिलाड़ी कई दौरों से गायब रहते हैं। कुछ चोटिल हो जाते हैं, जबकि इंडियम प्रीमियर लीग के दौरान उनकी उपस्थिति सौ प्रतिशत रहती है। इस बात की आलोचना अक्सर होती है और ऑस्ट्रेलिया में टी–20 वर्ल्ड के दौरान इसे महसूस भी किया गया।जहां तक न्यूजीलैंड दौरे की बात है तो मेजबान न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलना हमेशा से मुश्किल रहता है। न्यूजीलैंड की पिच तेज गेंदबाजों को सपोर्ट करती हैं। अत्यधिक ठंड होने के कारण में भारतीय खिलाड़ियों को थोड़ी मुश्किल आती है, क्योंकि उन्हें ऐसे मौसम में खेलने की आदत नहीं होती। 2019–20 में भारत ने न्यूजीलैंड का दौरा किया था और टी–20 श्रृंखला को 5–0 से जीता था, जब न्यूजीलैंड 2021–22 में भारत आई थी, तब भी भारत 3–0 से विजयी रहा था। न्यूजीलैंड में 2019–20 में भारत को मेजबानों से 3–0 से शिकस्त मिली थी।

वैसे, न्यूजीलैंड में कोच राहुल द्रविड़ को भी आराम दिया गया है। द्रविड़ के पुराने साथी वी. वी.एस. लक्ष्मण कोच की जिम्मेदारी निभाएंगे। उम्मीद है कि न्यूजीलैंड में बीसीसीआई का कप्तानी को लेकर यह अंतिम प्रयोग होगा, इसके बाद टीम इंडिया को स्थायी कप्तान मिल जाएगा।

बहुत कुछ नया कर रहे हैं नई पीढ़ी के कलाकार, कला जगत के दिग्गज भी हो रहे दंग

कला की दुनिया में तमाम नए प्रयोग होते रहते हैं और खासकर युवा कलाकारों की दृष्टि पहले से कहीं ज्यादा व्यापक हो रही है। बदलते हुए सामाजिक परिदृष्य को गहराई से देखना, समझना और उसे अपने तमाम कलारूपों में उतार देना आज के कलाकारों के लिए चुनौती भी है और इसे लेकर उनमें सबसे ज्यादा दिलचस्पी भी। आम तौर पर देश के तमाम कला संस्थानों में जिस तरह नए कलाकारों को जाने–माने और वरिष्ठ कलाकारों से सीखने समझने का मौका मिलता है, दिल्ली कॉलेज ऑफ आर्ट में वैसा नहीं होता। यहां बच्चों, युवाओं और हर वर्ग के लोगों के लिए कला को व्यावहारिक तौर पर सीखने समझने का मौका मिलता है और यहीं से सीखकर निकले कलाकार यहां के लिए एक पूंजी की तरह होते हैं और नई प्रतिभाओं को संवारने का काम करते हैं।ललित कला अकादमी में पिछले दिनों दिल्ली कॉलेज ऑफ आर्ट के सौ से ज्यादा छात्र छात्राओं की 300 से ज्यादा कलाकृतियों, मूर्तिशिल्प और कला में किए जा रहे कुछ नए प्रयोगों की अद्भुत प्रदर्शनी लगी। आम तौर पर हर साल ये कॉलेज अपने छात्रों के कामों को बड़े पैमाने पर प्रदर्शित करता है, लेकिन कोरोना काल की त्रासदी के दो साल बाद इन ऐसी कोई प्रदर्शनी इतने बड़े पैमाने पर लगाई गई। एक हफ्ते तक चली इस प्रदर्शनी का उद्घाटन किया नेशनल गैलरी ऑफ मॉडर्न आर्ट के महानिदेशक अद्वैत गणनायक, जाने माने मूर्तिकार पद्मश्री राम सुतार, जाने माने कलाकार अजय समीर, अमित दत्त, अनिल रामसुतार जैसे तमाम कलाकारों के अलावा दिल्ली कॉलेज ऑफ आर्ट के संस्थापक, महानिदेशक और खुद एक बड़े कलाकार अश्विनी कुमार पृथ्वीवासी ने। मुख्य अतिथि और रूसी दूतावास के सांस्कृतिक विभाग के प्रमुख यूलिया अरायवा ने कॉलेज के छात्रों के बेहतरीन काम की जमकर तारीफ की।

नए कलाकारों ने जिस तरह इंस्टॉलेशन में भी नए–नए प्रयोग किए, वह मन के भीतर कुछ सवाल भी खड़े करते हैं और आज के दौर की सोच के साथ सामाजिक स्थितियों पर प्रहार भी करते हैं। जिस तरह रिक्शा चलाने वालों या कामगारों को, मशीन से सिलाई करने वालों को समाज निचले तबके का मानकर हेय दृष्टि से देखता है, कलाकारों ने इन प्रतीकों को सिल्वर और गोल्डन रूपों में पेश कर उनके बारे में सामाजिक सोच को बढ़ाने की कोशिश की।आज के दौर में मीडिया की हालत पर भी इन कलाकारों ने बेहद गहराई से सांकेतिक प्रहार किया है और मरती हुई मीडिया को एक नरककाल के तौर पर दिखाया है। अखबारों में जिस तरह अब रचनात्मक कुछ नहीं होता और पत्रकारिता केवल बयानबाजी और अपराध की घटनाओं के साथ साथ बेहद निचले स्तर तक पहुंच गई है, छात्रों ने अपनी कलादृष्टि से उसे एक आकर्षक प्रतीक रूप में पेश करने की कोशिश की है। इस्टॉलेशन के ये अलग अलग प्रकार और उनके रेफ्लेक्शन को बड़े बड़े शीशों के जरिये दिखाया गया है। इन कलाकारों ने एक्रेलिक, वाटर कलर, पेंसिल स्केच के अलावा तमाम विधाओं के जरिए अपने काम को एक व्यापक आयाम देने की कोशिश की है।

बेशक ये प्रदर्शनी देखना एक नए अनुभव से गुजरने जैसा है और उस उम्मीद को आकार लेते हुए देखना भी है जो आज के दौर में कला को समाज का एक जरूरी हिस्सा मानता है। इस हुनर को संवारने का काम पिछले करीब ढाई दशकों से कर रहे दिल्ली कॉलेज ऑफ आर्ट के संस्थापक पृथ्वीवासी बताते हैं कि अब तक करीब 10 हजार कलाकारों को एक नई चेतना और दृष्टि के साथ आगे बढ़ते हुए देखना उन्हें दिल से सुकून पहुंचाता है और कला के जरिए अपने समाज को कुछ दे कर उन्हें अच्छा लगता है। उनका मकसद सिर्फ खुद को कला की दुनिया में स्थापित और प्रदर्शित करना नहीं, बल्कि नए कलाकारों की एक पूरी पीढ़ी को नई सामाजिक और कलात्मक दृष्टि से विकसित करना है।

दिल्ली ब्रेकिंग न्यूज, पढ़ें 18 नवम्बर के मुख्य और ताजा समाचार

श्खूबसूरतश जाल में था फंसारू विदेश मंत्रालय का ड्राइवर पाकिस्तान भेजता था गुप्त सूचनाएं, पुलिस ने किया अरेस्ट दिल्ली पुलिस की अपराध ा शाखा ने शुक्रवार को विदेश मंत्रालय में कार्यरत एक ड्राइवर को जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किया है। और पढ़ें श्रद्धा वालकर की मौत की खबर सामने आने के बाद कुछ इंस्टाग्राम यूजर्स इसे भुनाने में लग गए है। और पढ़ें सहारनपुररू दर्दनाक हादसे में कारपेंटर की मौत, दूसरा साथी गंभीर रूप से घायल, परिवार में मचा कोहराम प्रियंका गांधी का अब गुजरात में चुनाव प्रचार के लिए जाने का कार्यक्रम है। प्रियंका ने शिमला से जाकर ही सोलन, मंडी, नगरोटा बगवां, ऊना और शिलाई में परिवर्तन प्रतिज्ञा रैलियां कीं। और पढ़ें घटना के बाद पुलिस द्वारा दोनों युवकों को हिरासत में लिया गया है। कोतवाली प्रभारी राध ाारमण सिंह का कहना है कि दोनों युवकों को हिरासत में लेकर मामले की जांच की जा रही है। और पढ़ें

श्रद्धा के दोस्त ने फोटो शेयर करते हुए 2 साल पहले दिसंबर 2020 में आरोपी आफताब के द्वारा श्रद्धा की पिटाई का दावा किया है। श्रद्धा के दोस्त ने जो फोटो शेयर किया है उसमें श्रद्धा के चेहरे पर चोट के कई निशान नजर आ रहे हैं। और पढ़ें इस समारोह में गाजियाबाद के अलावा बुलंदशहर और हापुड़ के जोड़े भी शामिल रहेंगे। श्रमिकों की बेटियों के विवाह पर खर्चा सरकार वहन करेगी। और पढ़ें श्रद्धा हत्याकांड के आरोपी आफताब ने पूछताछ में पुलिस को एक और बात बताई है कि श्रद्धा की हत्या करने के बाद वह बाहर से आरी लाया और बाथरूम में ले जाकर श्रद्धा का शव काटने लगा। और पढ़ें

राष्ट्रीय जांच एजेंसी के महानिदेशक दिनकर गुप्ता ने कहा, आतंकी फंडिंग के लिए सोशल मीडिया प्लेटफार्म का इस्तेमाल किया जा रहा है। भारत के पास इसका सबूत हैं। उन्होंने कहा, पीएम मोदी की जीरो टॉलरेंस नीति से भारत के सुरक्षा परिदृश्य में महत्वपूर्ण बदलाव आया है। और पढ़ें क्मसीपरू एलजी ने सीएम केजरीवाल को लिखा पत्र– जैस्मीन शाह को डीडीसी के वाइस चेयरमैन पद से हटाने का निर्देश

एलजी ने सीएम को जैस्मीन शाह को यह भी निर्देश देने के लिए कहा है कि इस संबंध में सीएम का आदेश आने तक तत्काल प्रभाव से डीडीसी की वाइस चेयरमैन के तौर पर काम करने और पद के लिए मान्य किसी भी सुविधा को नहीं लेने का निर्देश देने के लिए भी कहा है। और पढ़ें ल्ली में एक और श्श्रद्धाश्रू लिव–इन में रह रही महिला की हत्याकर नौ घंटे साथ रहा राहुल, रात में देखने आता था शव

श्रद्धा हत्याकांड का मामला अभी ठंडा भी नहीं हुआ था कि दिल्ली के सरिता विहार इलाके से एक और दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। और पढ़ें

आफताब ने बदले बयानरू 35 नहीं किए थे 16 टुकड़े, फ्रिज में इन अंगों को पांच माह तक रखा, फिर सुनाई उस रात की कहानी

श्रद्धा हत्याकांड मामले में दिल दहला देने वाला खुलासा सामने आया है। और पढ़ें

और कितनी श्रद्धारू कॉल सेंटर की कई लड़कियों से थे आफताब के संपर्क, कहीं पहले भी तो कोई नहीं हुई फ्रिज में दफन..?

मुंबई की रहने वाली श्रद्धा वालकर की हत्या के आरोपी आफताब का गुरुग्राम से भी गहरा नाता रहा है। और पढ़ें दिल्ली में श्रद्धा वालकर हत्याकांड के आरोपी आफताब अमीन पूनावाला की रिमांड अवधि पांच दिन के लिए बढ़ा दी गई है। और पढ़ें

अभिषेक दुधैया द्वारा निर्देशित भुदः द प्राइड ऑफ इंडिया की अवैध स्ट्रीमिंग को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट ने आदेश दिया है। निर्माता की ओर से इस संबंध में शिकायत दी गई थी, जिसके बाद फैसला आया है। और पढ़ें

श्रद्धा वाकर हत्याकांड में पुलिस की जांच जैसे–जैसे आगे बढ़ती जा रही है, वैसे–वैसे नए खुलासे होते जा रहे हैं। पुलिस की जांच में नया खुलासा हुआ है कि श्रद्धा की हत्या करने के बाद आरोपी आफताब ने अपना मोबाइल हैंडसेट ओएलएक्स पर बेच दिया था। और पढ़ें

मौसम विभाग का कहना है कि मैदानी इलाकों पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, बिहार, झारखंड व उड़ीसा जैसे राज्यों में जल्द ही ठंड का सितम शुरू होने वाला है। और पढ़ें

राजधानी दिल्ली में ठंड ने दस्तक दे दी है। तापमान में गिरावट भी देखने को मिल रही है इसके बावजूद दिल्ली में प्रदूषण का कहर कम होने का नाम नहीं ले रहा है । दिल्ली– एनसीआर की हवा से सांसों का संकट बरकरार है । और पढ़ें

ऑस्ट्रेलिया और भारत ने साइबर और क्रिटिकल टेक्नोलॉजी पार्टनरशिप सहित निजी क्षेत्र और शिक्षा जगत के साथ अध्कि सहयोग के अवसरों का पता लगाने पर सहमति व्यक्त की। और पढ़ें

डीयू के मुताबिक, बृहस्पतिवार शाम चार बजकर 59 मिनट तक तीसरे चरण के तहत दाखिले की फीस जमा करने की अंतिम तिथि थी। अब केवल उक्त श्रेणी के छात्र अगर दाखिले को लेकर सीटों में कोई अपडेट चाहते हैं। 18 नवंबर सुबह 10 बजे से 19 नवंबर शाम 4. 59 बजे तक अपग्रेड का विकल्प चुन सकते हैं। और पढ़ें

देहरादून से बरामद बच्चे को उसके दिल्ली निवासी परिजनों को बुलाकर सौंप दिया गया जबकि बदायूं से बरामद बच्चे के परिजनों का पता नहीं चल सका है। उसे बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) के समक्ष पेश करने के बाद शिशु निकेतन भेजा जाएगा। और पढ़ें

फरीदाबाद के बीके अस्पताल के शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. विकास गोयल का कहना है कि कोरोना काल में बच्चों में मोबाइल की लत तेजी से बढ़ने का सबसे असर आंखों पर पड़ा है। ओपीडी में अब भी ज्यादा मरीज आंख से जुड़ी शिकायत लेकर आ रहे हैं।

साहिबाबाद से दुहाई के बीच 17 किमी लंबे प्राथमिकता खंड का दिसंबर में मुख्य ट्रायल रन की तैयारियों के बीच नेशनल कैपिटल रीजन ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन को बड़ी सफलता मिली है। और पढ़ें

गामा–2 सेक्टर निवासी डॉ. शिखा शर्मा बुधवार शाम घर के पास टहल रहीं थीं। वह सेक्टर निवासी स्टाफ के घर की तरफ जा रहीं थीं। जैसे ही वह पार्क के पहुंची पीछे से काले रंग की पल्सर बाइक पर सवार होकर दो बदमाश उनके पास पहुंचे। हेलमेट हाथ में लेकर और मुंह पर मास्क लगाए बदमाश ने गले से सोने की चेन तोड़ ली। और पढ़ें

मंत्री सत्येंद्र जैन को तिहाड़ जेल संख्या सात में विशेष सुविधाएं देने के आरोप के बाद इस जेल में प्रशासनिक फेरबदल का सिलसिला जारी है। जेल मुख्यालय से जारी आदेश के मुताबिक जेल संख्या सात के 26 कर्मियों का तबादला किया गया है। इसमें सहायक अधीक्षक रैंक के अधिकारी से लेकर वार्डर तक शामिल हैं। और पढ़ें

युवक ने की आत्महत्या, पत्नी व प्रेमी पर प्रताड़ित करने का आरोप युवक ने की आत्महत्या, पत्नी व प्रेमी पर प्रताड़ित करने का आरोप और पढ़ेंदोस्तों के साथ परांठा खाने जा रहे छात्र की हादसे में मौत, 4 घायल दोस्तों के साथ परांठा खाने जा रहे छात्र की हादसे में मौत, 4 घायल और पढ़ें सुसाइड नोट में शायरी लिख युवक ने फंदा लगाकर दी जान सुसाइड नोट में शायरी लिख युवक ने फंदा लगाकर दी जान और पढ़ें पहली रोडवेज महिला बस चालक फिर से ट्रक चलाने को मजबूर पहली रोडवेज महिला बस चालक फिर से ट्रक चलाने को मजबूर और पढ़ें

क्रॉसिंग रिपब्लिक थाने में शराब तस्करी का दर्ज हुआ पहला मुकदमा क्रॉसिंग रिपब्लिक थाने में शराब तस्करी का दर्ज हुआ पहला मुकदमा और पढ़ें

रैपिड रेल के पहले 20 यात्री बनने का मौका और पढ़ें छात्रा को पीटकर स्कूल से निकालने का आरोप और पढ़ें दुहाई डिपो पहुंची छह कोच की तीसरी रैपिड रेल और पढ़ें राजनगर एक्सटेंशन में लिया गया ओरोफर इंजेक्शन का नमूना फेल राजनगर एक्सटेंशन में लिया गया ओरोफर इंजेक्शन का नमूना फेल और पढ़ें डब्क म्समबजपवदरू इस सीटों पर तीन प्रमुख दलों के दिग्गज नेता चुनावी मैदान में हैं। इनके सामने पार्टी को जीत दिलाने के साथ अपनी साख बचाने की भी चुनौती है।

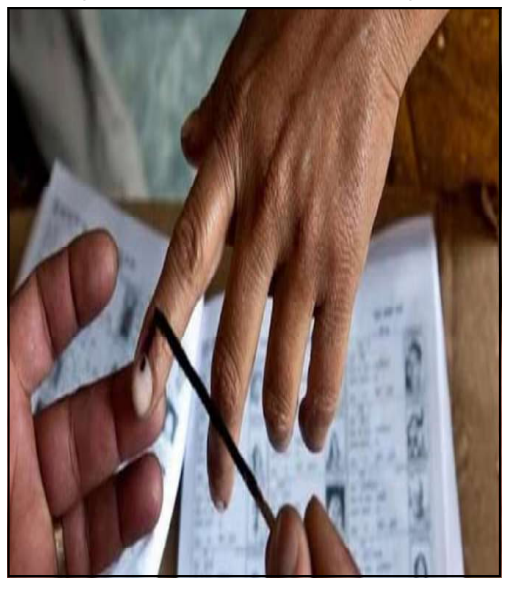

सोशल मीडिया बना भाजपा का प्रमुख चुनावी हथियार, साइबर योद्धाओं के जरिए केजरीवाल पर बोला हमला

दिल्ली सरकार की एक्साइज पॉलिसी पर हमला बोलते हुए भाजपा ने 13 नवंबर को 'लुटेरा' कार्टून जारी किया। लुटेरा फिल्म के जैसे पोस्टर में दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को एक बाइक से जाते हुए दिखाया और इस फिल्म के प्रोड्यूसर के तौर पर महाठग सुकेश और डायरेक्टर के तौर पर आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल का नाम लिखा गया। भाजपा से जारी होते ही यह मीडिया में सुर्खियां बन गया और लोग एक बार फिर शराब घोटाले की चर्चा करने लगे। इसी प्रकार बीजेपी ने आम आदमी पार्टी की 10 गारंटी पर भी हमला किया और अरविंद केजरीवाल का एक कार्टून छापते हुए उन्हें 'महाठग' के रूप में दिखाया। इस प्रकार भाजपा हर रोज एक नए कार्टून के जरिये दिल्ली सरकार और आम आदमी पार्टी पर लगातार हमला बोल रही है।

दरअसल, नगर निगम चुनावों को ध्यान में रखते हुए भाजपा ने अपने राष्ट्रीय प्रवक्ता शाहजाद पूनावाला को सोशल मीडिया इंचार्ज पद की जिम्मेदारी सौंपी थी। उनके साथ तकनीकी मामलों के जानकार पुनीत अग्रवाल और रोहित उपाध्याय ने पार्टी की सोशल मीडिया में कमान संभाली। सोशल मीडिया में पार्टी की विचारधारा से सहमति रखने वाले सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर्स को जोड़ा गया। उन्हें 'साइबर योद्धा' का नाम देकर पार्टी की विषय वस्तु को लोगों के बीच पहुंचाया गया।

दिल्ली भाजपा की सोशल मीडिया टीम के एक सदस्य ने अमर उजाला को बताया कि हमारी रणनीति केवल अरविंद केजरीवाल या दिल्ली सरकार की आलोचना करना ही नहीं है। हम 70 फीसदी फोकस केंद्र सरकार की उन जनहितकारी योजनाओं को लोगों तक पहुंचाने पर दे रहे हैं, जिसका लाभ दिल्ली या देश के लोगों को मिला है। इसमें प्रधानमंत्री आवास योजना, राशन योजना, प्रगति मैदान के आधुनिक निर्माण, भारत वंदना पार्क और दिल्ली के चारों ओर लूप सड़कें बनाकर लोगों को प्रदूषण से मुक्ति दिलाने जैसे कार्य शामिल हैं।

नेता के मुताबिक, हमारा 30 फीसदी फोकस दिल्ली सरकार और अरविंद केजरीवाल की उन नाकामियों को जनता को दिखाने की है जिसका वादा कर पार्टी सत्ता में आई थी, लेकिन अब तक कोई प्रदर्शन नहीं कर सकी है। इसमें शराब घोटाला, शिक्षा घोटाला, स्वास्थ्य घोटाला, मंत्री सत्येंद्र जैन और अमान्तुल्लाह खान पर लगे आरोपों से संबंधित हैं।

सोशल मीडिया टीम के सभी सदस्यों की एक अनौपचारिक बैठक रोज शाम को होती है, जिसमें अगले दिन का एजेंडा तय कर उससे संबंधित सामग्री तैयार की जाती है। दूसरे दिन इसे सोशल मीडिया के जरिये जारी कर लोगों तक पहुंचाने का काम किया जाता है। बाद में इन्हें लगभग 2000 सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स के जरिये लोगों तक पहुंचाने का काम किया जाता है।

अपनी राजनीतिक यात्रा की शुरुआत से ही अरविंद केजरीवाल सोशल मीडिया का बखूबी इस्तेमाल करते आये हैं। ट्विटर पर कैंपेन चलाकर उन्होंने 'इंडिया अगेंस्ट करप्शन' के भ्रष्टाचार विरोधी अभियान को एक नई ऊंचाई दी थी। 2015 और 2020 के दिल्ली विध ाानसभा चुनावों में भी पार्टी ने सोशल मीडिया को चुनावी हथियार के तौर पर बेहतर तरीके से इस्तेमाल किया था।

इस समय भी आम आदमी पार्टी और इसके नेताओं के ट्विटर हैंडल से पार्टी के नेताओं के बयान और वीडियो जारी किये जा रहे हैं, लेकिन अभी तक इनमें वह तेजी देखने को नहीं मिली है, जिसकी उम्मीद हुआ करती थी। आम आदमी पार्टी के सोशल मीडिया का उछाला कोई मुद्दा अभी तक ट्रेंड नहीं सेट कर पाया है और वह सोशल मीडिया के चुनावी प्रचार युद्ध में पिछड़ती दिखाई पड़ रही है।

सोशल मीडिया के वॉर में कांग्रेस सबसे ज्यादा पिछड़ी हुई दिखाई पड़ रही है। पार्टी और इसके नेताओं के ट्विटर फेसबुक हैंडल से कांग्रेस और राहुल गांधी से जुड़े मुद्दे तो अवश्य उठाये जा रहे हैं, लेकिन नगर निगम चुनावों को लेकर विशेष सक्रियता दिखाई नहीं दे रही है। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष चौध ारी अनिल कुमार के हैंडल से कुछ मुद्दे जरूर उठाये जा रहे हैं, लेकिन वे अब तक कोई ट्रेंड सेट करने में सफल नहीं हो पाए हैं।

लिव-इन में रह रही महिला की हत्याकर नौ घंटे साथ रहा राहुल, रात में देखने आता था शव

श्रद्धा हत्याकांड का मामला अभी ठंडा भी नहीं हुआ था कि दिल्ली के सरिता विहार इलाके से एक और दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। आरोपी युवक सहमति संबंध (लिव–इन) में साथ रहने वाली महिला की हत्याकर शव को घर में बंदकर फरार हो गया। फरार होने से पहले करीब नौ घंटे उसने शव के साथ बिताए। यही नहीं, दो दिनों तक महिला के शव को देखने वह रात में घर में आता रहा। आरोपी ने महिला की हत्या उसकी एक वर्ष की बेटी के सामने की। जाते वक्त वह बेटी को भी साथ ले गया। उसको संदेह था कि महिला का किसी से अवैध ा संबंध है। राहुल वर्मा महिला से शादी करना चहाता था। सरिता विहार थाना पुलिस ने आरोपी युवक को पांच दिन बाद गिरफ्तार कर लिया है।

दक्षिण–पूर्व जिला पुलिस अधिकारियों के अनुसार, सरिता विहार पुलिस को 12 नवंबर को दोपहर 2.25 बजे सूचना मिली थी कि मदनपुर खादर में एक घर में महिला बेहोश पड़ी है और घर बाहर से बंद है। सूचना के बाद एसीपी, सरिता विहार जगदेव सिंह की देखरेख में इंस्पेक्टर ज्ञानेंद्र राणा, एसआई दीपक धांडा, एएसआई लियाकत अली व एएसआई रमेश कुमार की टीम ने जांच शुरू की।

पुलिस टीम को मौके पर मकान मालिक परम बिध ाूड़ी मिला। मकान बाहर से बंद था। पुलिस ने गेट तोड़ा तो एक महिला (22) बेसुध पड़ी हुई थी। पुलिस उसे अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उसके शरीर पर चोट के निशान नहीं थे। परम ने बताया कि उसके मकान में करीब 20 दिन से राहुल किराए पर रहता था। राहुल ने उसे फोन कर बताया था कि उसकी महिला दोस्त गुलशाना घर में मृत पड़ी है। इस पर पुलिस ने राहुल के भाई प्रवीण से संपर्क किया। राहुल का परिवार भी मदनपुर खादर में रहता है। प्रवीण ने बताया कि राहुल एक महिला के साथ करीब 20 दिन से सहमति संबंधों में रह रहा था। महिला की एक वर्ष की बेटी भी है।

शुरू में पुलिस को लगा कि गुलशाना ने खुदकुशी की है। इस कारण पुलिस ने स्वभाविक मौत की कार्रवाई की। एसआई दीपक धांडा ने महिला का एम्स में पोस्टमार्टम कराया। पोस्टमार्टम से पता लगा कि गुलशाना की गला दबाकर हत्या की गई है। इसके बाद हत्या का महिला दर्जकर एसआई दीपक धांडा, एएसआई लायक अली व रमेश कुमार की टीम ने जांच शुरू की। एसीपी जगदेव सिंह ने खुद जांच पर नजर रखी। जांच के बाद पुलिस टीम ने राहुल को आली गांव जंगल एरिया, सरिता विहार से 16 नवंबर को गिरफ्तार कर लिया।

दक्षिण–पूर्व जिला पुलिस अधिकारियों के अनुसार राहुल गुलशाना पर संदेह करता था कि उसका किसी और से संबंध है। इस बात पर इनका आए दिन झगड़ा होता रहता था। गुलशाना ने उससे पांच हजार हजार मांगे। इस बात पर झगड़ा हो गया। इस झगड़े में उसने 10 नवंबर को दोपहर के समय गुलशाना की हाथों व चुन्नी से गला दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद आरोपी रात दस बजे तक महिला की एक वर्ष की बेटी के साथ शव के साथ रहा। रात 10 बजे वह बेटी को लेकर घर से फरार हो गया। उसने बेटी को किसी को दे दिया और फरार हो गया। इसके बाद आरोपी रात दो बजे गुलशाना के शव को देखने घर में आया था। इस तरह वह आता रहा। इसके बाद उसने मकान मालिक को सूचना दी थी। राहुल ओखला में प्राइवेट नौकरी करता था।

निधि गुप्ता का हत्यारोपी सूफियान गिरफ्तार, मंगलवार रात को चार मंजिला छत से फेंककर की थी हत्या

लखनऊ में दुबग्गा के डूडा कालोनी निवासी निधि गुप्ता (19) को चार मंजिल से फेंककर हत्या कर फरार चल रहा आरोपी सूफियान शुक्रवार दोपहर में पुलिस मुठभेड़ में घायल हो गया। घायल हालत में उसे पुलिस हिरासत में ट्रामा सेंटर इलाज के लिए भेजा गया है। उस पर एक दिन पहले डीसीपी पश्चिम ने 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था।डीसीपी पश्चिम एस चन्नप्पा के मुताबिक मंगलवार रात को सूफियान ने निधि को डूडा कालोनी की चार मंजिला छत से नीचे फेंक दिया। गंभीर हालत में उसे ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया। जहां उसकी इलाज के दौरान देर रात को मौत हो गई। इसके बाद से ही आरोपी सूफियान को पुलिस की टीमें तलाश रही थीं। पुलिस को शुक्रवार दोपहर सूचना मिली कि सूफियान दुबग्गा के पावर हाउस चौराहे के पास स्थित जागर्सपार्क के पास कहीं देखा गया। इस सूचना पर पुलिस की टीम ने घेराबंदी शुरू की।पुलिस को देखकर वह पार्क के पास खाली मैदान की झाड़ियों में छिप गया। पुलिस तलाशती हुई जैसे नजदीक पहुंची तो उसने फायर झोंक दिया। जवाबी फायरिंग में सूफियान के दाहिने पैर में गोली लगी। जिससे वह घायल हो गया। पुलिस टीम ने उसे घायल हालत में ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया है। पुलिस के मुताबिक शुरूआती पूछताछ में उसने अपना जुर्म कुबूल किया है। अभी उसके ठीक होने का इंतजार किया जा रहा है। इसके बाद पूछताछ कर जेल भेजा जाएगा।आरोपी की तलाश में लगी थी 23 पुलिस टीमएडीसीपी पश्चिम चिरंजीव नाथ सिन्हा के मुताबिक निधि हत्याकांड के मुख्य आरोपी सूफियान की तलाश में पहले दिन से पांच टीम लगी थी। दूसरे दिन टीम की संख्या बढ़कार 9 की गई। इसके बाद 11 पॉलीगान टीम को भी लगाया गया। उधर, गैर प्रांत भागने की सूचना मिलने पर तीन टीमें राजस्थान, दिल्ली व एनसीआर इलाके में दबिश के लिए भेजी गई। इन इलाकों में उसके कुछ रिश्तेदार रहते हैं। इन ठिकानों केबारे में पुलिस की हिरासत में आये सूफियान के पिता राजू व भाई महफूज ने बताया था।धर्म परिवर्तन कर शादी करने का बना रहा था दबावपुलिस के मुताबिक दुबग्गा के डूडा कालोनी में रहने वाला सूफियान ठाकुरगंज के मुसाहिबगंज का रहने वाला है। उसकी और निधि में दोस्ती थी। सूफियान निधि से एक तरफा प्यार करने लगा। उस पर धर्म बदलकर शादी करने का दबाव बना रहा था। इस मामले में सूफियान का परिवार भी शामिल था। परिवार निधि के परिजनों पर शादी करने का दबाव बना रहा था। इसी को लेकर दोनों परिवारों में मंगलवार रात को विवाद हुआ। इसी बीच निधि भागकर छत पर गई। पीछा करते हुए सूफियान भी चौथी मंजिल पर पहुंच गया। उसने चौथी मंजिल से निधि को फेंक दिया। गंभीर हालत में उसकी ट्रामा सेंटर में इलाज के दौरान मौत हो गई। इस हत्याकांड को लेकर कई सामाजिक संगठनों ने प्रदर्शन किया। बृहस्पतिवार को कैंडिल मार्च निकाला गया। तो शुक्रवार को हजरतगंज में बजरंग दल ने गिरफ्तारी को लेकर प्रदर्शन किया।लखनऊ में दुबग्गा के डूडा कालोनी निवासी निधि गुप्ता (19) को चार मंजिल से फेंककर हत्या कर फरार चल रहा आरोपी सूफियान शुक्रवार दोपहर में पुलिस मुठभेड़ में घायल हो गया। घायल हालत में उसे पुलिस हिरासत में ट्रामा सेंटर इलाज के लिए भेजा गया है। उस पर एक दिन पहले डीसीपी पश्चिम ने 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था।डीसीपी पश्चिम एस चन्नप्पा के मुताबिक मंगलवार रात को सूफियान ने निधि को डूडा कालोनी की चार मंजिला छत से नीचे फेंक दिया। गंभीर हालत में उसे ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया। जहां उसकी इलाज के दौरान देर रात को मौत हो गई। इसके बाद से ही आरोपी सूफियान को पुलिस की टीमें तलाश रही थीं। पुलिस को शुक्रवार दोपहर सूचना मिली कि सूफियान दुबग्गा के पावर हाउस चौराहे के पास स्थित जागर्सपार्क के पास कहीं देखा गया। इस सूचना पर पुलिस की टीम ने घेराबंदी शुरू की।पुलिस को देखकर वह पार्क के पास खाली मैदान की झाड़ियों में छिप गया। पुलिस तलाशती हुई जैसे नजदीक पहुंची तो उसने फायर झोंक दिया। जवाबी फायरिंग में सूफियान के दाहिने पैर में गोली लगी। जिससे वह घायल हो गया। पुलिस टीम ने उसे घायल हालत में ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया है। पुलिस के मुताबिक शुरूआती पूछताछ में उसने अपना जुर्म कुबूल किया है। अभी उसके ठीक होने का इंतजार किया जा रहा है। इसके बाद पूछताछ कर जेल भेजा जाएगा।आरोपी की तलाश में लगी थी 23 पुलिस टीमएडीसीपी पश्चिम चिरंजीव नाथ सिन्हा के मुताबिक निधि हत्याकांड के मुख्य आरोपी सूफियान की तलाश में पहले दिन से पांच टीम लगी थी। दूसरे दिन टीम की संख्या बढ़कार 9 की गई। इसके बाद 11 पॉलीगान टीम को भी लगाया गया। उधर, गैर प्रांत भागने की सूचना मिलने पर तीन टीमें राजस्थान, दिल्ली व एनसीआर इलाके में दबिश के लिए भेजी गई। इन इलाकों में उसके कुछ रिश्तेदार रहते हैं। इन ठिकानों केबारे में पुलिस की हिरासत में आये सूफियान के पिता राजू व भाई महफूज ने बताया था।धर्म परिवर्तन कर शादी करने का बना रहा था दबावपुलिस के मुताबिक दुबग्गा के डूडा कालोनी में रहने वाला सूफियान ठाकुरगंज के मुसाहिबगंज का रहने वाला है। उसकी और निधि में दोस्ती थी। सूफियान निधि से एक तरफा प्यार करने लगा। उस पर धर्म बदलकर शादी करने का दबाव बना रहा था। इस मामले में सूफियान का परिवार भी शामिल था। परिवार निधि के परिजनों पर शादी करने का दबाव बना रहा था। इसी को लेकर दोनों परिवारों में मंगलवार रात को विवाद हुआ।

आवश्यकता है

झुग्गी झोपडी हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
एवमं
JJ News Portal
के लिये उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले
के लिए संवाददाता, पेजमेकर आपरेटर, विज्ञापन प्रतिनिधि और एजेंसी / ब्यूरो चीफ बनने हेतु सम्पर्क करे !

सम्पादक - संजय कुमार यादव
9918366626 9454084311
पता
277/129, चकिया, जगमल का हाता,
पीएनबी एटीएम के पास

कोआपरेविट बैंक से 146 करोड़ उड़ाने का तीसरा मास्टर माइंड गिरफ्तार

उप्र. कोऑपरेटिव बैंक के हजरतगंज शाखा से 146 करोड़ रुपये की हेराफेरी में साइबर क्राइम थाने की टीम ने तीसरे मास्टर माइंड को शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने पूछताछ में पूरी वारदात में बनाई गई योजना का खुलासा किया। इस हेराफेरी के मामले में कई बैंक अधिकारी व अन्य बाहरी लोगों के नाम भी बताये हैं।साइबर क्राइम थाने के निरीक्षक अजीत यादव के मुताबिक पकड़ा गया आरोपी ज्ञानदेव पाल मूलरुप से शाहजहांपुर के नई बस्ती तरीन गादीपुरा का रहने वाला है। उसने लोकभवन में तैनात सेक्शन अफसर रामराज और शातिर ध्रुव कुमार श्रीवास्तव के साथ मिलकर कोआपरेटिव बैंक का 300 करोड़ रुपये उड़ाने की साजिश रची थी। इस काम में सीतापुर महमूदाबाद में कोआपरेटिव बैंक में सहायक प्रबंधक कर्मवीर सिंह, आकाश कुमार श्रीवास्तव, भूपेंद्र, सतीश और बैंक के पूर्व प्रबंधक आरएस दुबे को शामिल किया। इस हेराफेरी में बैंक के कई अधिकारी व कर्मचारी शामिल हैं। इस बात का कुबूलनामा ज्ञानदेव पाल ने साइबर क्राइम थाने की पुलिस के सामने पूछताछ में किया।आरोपी ने कुबूल किया कि योजना के तहत पूर्व प्रबंधक के साथ तीन साथी लगातार बैंक में घंटो बैठकर रेकी करते थे। इस दौरान बैंक में अपने लैपटॉप लगाकर काम भी करते थे। इसी दौरान दुबे और गिरोह से जुड़े साइबर एक्सपर्ट ने बैंक के दो कर्मचारियों की यूजर आईडी व पासवर्ड हासिल कर ली। इसके जरिए 146 करोड़ रुपये एक बिल्डर व ठेकेदार के आठ खातों में ट्रांसफर कर दिया। इस मामले में 16 अक्टूबर को साइबर क्राइम थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। वारदात केदो दिन बाद ही पूर्व प्रबंधक आरएस दुबे, सोलर कंपनी के मालिक व बिल्डर के भाई सुखसागर सिंह चौहान को गिरफ्तार किया गया। इसके बाद साइबर हैकर सतीश को दबोचा गया। फिर एक नवंबर को लोक भवन के सेक्शन अफसर रामराज, मास्टर माइंड ध्रुव कुमार श्रीवास्तव, आकाश कुमार श्रीवास्तव, कोआपरेटिव बैंक के महमूदाबाद के सहायक प्रबंधक कर्मवीर सिंह, भूपेंद्र को गिरफ्तार किया गया था। ज्ञानदेव फरार चल रहा था। उस पर पुलिस ने 50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। साइबर क्राइम थाने के इंस्पेक्टर अजीत यादव व बृजेश कुमार यादव की टीम ने शुक्रवार को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।तीन ने एक करोड़ खर्च कर रची थी साजिशसाइबर क्राइम थाने के इंस्पेक्टर अजीत यादव के मुताबिक 146 करोड़ के हेराफेरी का मास्टर माइंड तीन लोग हैं। इसमें लोकभवन का सेक्शन अफसर रामराज, ध्रुव कुमार श्रीवास्तव और ज्ञानदेव पाल शामिल हैं। इन्हीं तीनों ने अपने पास से एक करोड़ रुपये खर्च किये। वहीं 18 महीने में 300 करोड़ रुपये बैंक के खाते से उड़ाने की साजिश रची। लेकिन 14 अक्टूबर की शाम 6 बजे आरोपियों ने कोआपरेटिव बैंक के एनएडी अनुभाग (कृषियेत्तर ऋण अनुभाग) के खाते से 146 करोड़ रुपये एक बार में सीबीएस आईडी से अनधिकृत रुप से आईसीआईसीआई व एचडीएफसी बैंक के आठ खातों में आरटीजीएस किया गया था। पुलिस के मुताबिक शातिर हैकर ध्रुव कुमार श्रीवास्तव ने इस हेराफेरी के लिए 50 लाख रुपये का इंतजाम किया था। वहीं रामराज व ज्ञानदेव पाल ने 50 लाख रुपये का इंतजाम किया था।सगी बहन से ठगे 50 लाख रुपये किया था निवेशइस मामले में दो मास्टर माइंड को एसटीएफ ने एक नवंबर को गिरफ्तार किया था। इसमें लोकभवन का सेक्शन अफसर रामराज व ध्रुव श्रीवास्तव शामिल है। एसटीएफ अधिकारी के मुताबिक ध्रुव श्रीवास्तव काफी शातिर है। वह इस तरह की कई हेराफेरी कर चुका है। उसने इस बड़ी घपलेबाजी के लिए अपनी सगी बहन को ही ठग लिया। उसकी बहन ने अपना मकान बेचा था। जिसकी रकम उसके खाते में जमा थी। पूछताछ में सामने आया कि ध्रुव ने अपनी बहन का डेबिट कार्ड व ऑन लाइन ट्रांजिक्शन का पासवर्ड हासिल कर लिया। उसके खाते से 50 लाख रुपये निकाल कर 146 करोड़ रुपये की हेराफेरी के लिए खरीदे गये सामानों व शातिरों की टीम खड़ी करने में खर्च की। वहीं महीनों लखनऊ के होटलों में ठहरने व रेकी पर लगाया।ज्ञानदेव ने ही लगाया था की–लॉगरसाइबर क्राइम थाने की पुलिस के मुताबिक ज्ञानदेव पाल ही पूर्व प्रबंधक आरएस दुबे के साथ मिलकर कोआपरेटिव बैंक के अंदर गया। वह काफी शातिर हैकर है। उसने ही बैंक के अंदर हैकिंग डिवाइस, डोंगल व की–लॉगर लगाया था। बैंक के गोपनीय डेटा व विवरण हैक कर अपने साथियो को रिमोट एक्सिस कंट्रोल दिया। जहाँ से उनके द्वारा खाते को संचालित कर चिह्नित खाताधारकों के खातो में अवैध रकम ट्रांसफर किया। पूछताछ में ज्ञानदेव ने बताया कि सभी के शेयर व काम के हिसाब से हिस्सेदारी तय थी। जिन खातों का प्रयोग रकम हड़पने के लिए किया गया था। उन खाताधारकों की भी रकम तय की गई थी।उप्र. कोऑपरेटिव बैंक के हजरतगंज शाखा से 146 करोड़ रुपये की हेराफेरी में साइबर क्राइम थाने की टीम ने तीसरे मास्टर माइंड को शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने पूछताछ में पूरी वारदात में बनाई गई योजना का खुलासा किया। इस हेराफेरी के मामले में कई बैंक अधिकारी व अन्य बाहरी लोगों के नाम भी बताये हैं।साइबर क्राइम थाने के निरीक्षक अजीत यादव के मुताबिक पकड़ा गया आरोपी ज्ञानदेव पाल मूलरुप से शाहजहांपुर के नई बस्ती तरीन गादीपुरा का रहने वाला है। उसने लोकभवन में तैनात सेक्शन अफसर रामराज और शातिर ध्रुव कुमार श्रीवास्तव के साथ मिलकर कोआपरेटिव बैंक का 300 करोड़ रुपये उड़ाने की साजिश रची थी। इस काम में सीतापुर महमूदाबाद में कोआपरेटिव बैंक में सहायक प्रबंधक कर्मवीर सिंह, आकाश कुमार श्रीवास्तव, भूपेंद्र, सतीश और बैंक के पूर्व प्रबंधक आरएस दुबे को शामिल किया। इस हेराफेरी में बैंक के कई अधिकारी व कर्मचारी शामिल हैं। इस बात का कुबूलनामा ज्ञानदेव पाल ने साइबर क्राइम थाने की पुलिस के सामने पूछताछ में किया।आरोपी ने कुबूल किया कि योजना के तहत पूर्व प्रबंधक के साथ तीन साथी लगातार बैंक में घंटो बैठकर रेकी करते थे। इस दौरान बैंक में अपने लैपटॉप लगाकर काम भी करते थे। इसी दौरान दुबे और गिरोह से जुड़े साइबर एक्सपर्ट ने बैंक के दो कर्मचारियों की यूजर आईडी व पासवर्ड हासिल कर ली। इसके जरिए 146 करोड़ रुपये एक बिल्डर व ठेकेदार के आठ खातों में ट्रांसफर कर दिया। इस मामले में 16 अक्टूबर को साइबर क्राइम थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। वारदात केदो दिन बाद ही पूर्व प्रबंधक आरएस दुबे, सोलर कंपनी के मालिक व बिल्डर के भाई सुखसागर सिंह चौहान को गिरफ्तार किया गया। इसके बाद साइबर हैकर सतीश को दबोचा गया। फिर एक नवंबर को लोक भवन के सेक्शन अफसर रामराज, मास्टर माइंड ध्रुव कुमार श्रीवास्तव, आकाश कुमार श्रीवास्तव, कोआपरेटिव बैंक के महमूदाबाद के सहायक प्रबंधक कर्मवीर सिंह, भूपेंद्र को गिरफ्तार किया गया था। ज्ञानदेव फरार चल रहा था। उस पर पुलिस ने 50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। साइबर क्राइम थाने के इंस्पेक्टर अजीत यादव व बृजेश कुमार यादव की टीम ने शुक्रवार को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।तीन ने एक करोड़ खर्च कर रची थी साजिशसाइबर क्राइम थाने के इंस्पेक्टर अजीत यादव के मुताबिक 146 करोड़ के हेराफेरी का मास्टर माइंड तीन लोग हैं। इसमें लोकभवन का सेक्शन अफसर रामराज, ध्रुव कुमार श्रीवास्तव और ज्ञानदेव पाल शामिल हैं। इन्हीं तीनों ने अपने पास से एक करोड़ रुपये खर्च किये। वहीं 18 महीने में 300 करोड़ रुपये बैंक के खाते से उड़ाने की साजिश रची। लेकिन 14 अक्टूबर की शाम 6 बजे आरोपियों ने कोआपरेटिव बैंक के एनएडी अनुभाग (कृषियेत्तर ऋण अनुभाग) के खाते से 146 करोड़ रुपये एक बार में सीबीएस आईडी से अनधिकृत रुप से आईसीआईसीआई व एचडीएफसी बैंक के आठ खातों में आरटीजीएस किया गया था। पुलिस के मुताबिक शातिर हैकर ध्रुव कुमार श्रीवास्तव ने इस हेराफेरी के लिए 50 लाख रुपये का इंतजाम किया था। वहीं रामराज व ज्ञानदेव पाल ने 50 लाख रुपये का इंतजाम किया था।सगी बहन से ठगे 50 लाख रुपये किया था निवेशइस मामले में दो मास्टर माइंड को एसटीएफ ने एक नवंबर को गिरफ्तार किया था। इसमें लोकभवन का सेक्शन अफसर रामराज व ध्रुव श्रीवास्तव शामिल है। एसटीएफ अधिकारी के मुताबिक ध्रुव श्रीवास्तव काफी शातिर है। वह इस तरह की कई हेराफेरी कर चुका है। उसने इस बड़ी घपलेबाजी के लिए अपनी सगी बहन को ही ठग लिया। उसकी बहन ने अपना मकान बेचा था। जिसकी रकम उसके खाते में जमा थी। पूछताछ में सामने आया कि ध्रुव ने अपनी बहन का डेबिट कार्ड व ऑन लाइन ट्रांजिक्शन का पासवर्ड हासिल कर लिया। उसके खाते से 50 लाख रुपये निकाल कर 146 करोड़ रुपये की हेराफेरी के लिए खरीदे गये सामानों व शातिरों की टीम खड़ी करने में खर्च की। वहीं महीनों लखनऊ के होटलों में ठहरने व रेकी पर लगाया।ज्ञानदेव ने ही लगाया था की–लॉगरसाइबर क्राइम थाने की पुलिस के मुताबिक ज्ञानदेव पाल ही पूर्व प्रबंधक आरएस दुबे के साथ मिलकर कोआपरेटिव बैंक के अंदर गया। वह काफी शातिर हैकर है। उसने ही बैंक के अंदर हैकिंग डिवाइस, डोंगल व की–लॉगर लगाया था। बैंक के गोपनीय डेटा व विवरण हैक कर अपने साथियो को रिमोट एक्सिस कंट्रोल दिया। जहाँ से उनके द्वारा खाते को संचालित कर चिह्नित खाताधारकों के खातो में अवैध रकम ट्रांसफर किया। पूछताछ में ज्ञानदेव ने बताया कि सभी के शेयर व काम के हिसाब से हिस्सेदारी तय थी। जिन खातों का प्रयोग रकम हड़पने के लिए किया गया था। उन खाताधारकों की भी रकम तय की गई थी।उप्र. कोऑपरेटिव बैंक के हजरतगंज शाखा से 146 करोड़ रुपये की हेराफेरी में साइबर क्राइम थाने की टीम ने तीसरे मास्टर माइंड को शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने पूछताछ में पूरी वारदात में बनाई गई योजना का खुलासा किया। इस हेराफेरी के मामले में कई बैंक अधिकारी व अन्य बाहरी लोगों के नाम भी बताये हैं।साइबर क्राइम थाने के निरीक्षक अजीत यादव के मुताबिक पकड़ा गया आरोपी ज्ञानदेव पाल मूलरुप से शाहजहांपुर के नई बस्ती तरीन गादीपुरा का रहने वाला है। उसने लोकभवन में तैनात सेक्शन अफसर रामराज और शातिर ध्रुव कुमार श्रीवास्तव के साथ मिलकर कोआपरेटिव बैंक का 300 करोड़ रुपये उड़ाने की साजिश रची थी। इस काम में सीतापुर महमूदाबाद में कोआपरेटिव बैंक में सहायक प्रबंधक कर्मवीर सिंह, आकाश कुमार श्रीवास्तव, भूपेंद्र, सतीश और बैंक के पूर्व प्रबंधक आरएस दुबे को शामिल किया। इस हेराफेरी में बैंक के कई अधिकारी व कर्मचारी शामिल हैं। इस बात का कुबूलनामा ज्ञानदेव पाल ने साइबर क्राइम थाने की पुलिस के सामने पूछताछ में किया।आरोपी ने कुबूल किया कि योजना के तहत पूर्व प्रबंधक के साथ तीन साथी लगातार बैंक में घंटो बैठकर रेकी करते थे। इस दौरान बैंक में अपने लैपटॉप लगाकर काम भी करते थे। इसी दौरान दुबे और गिरोह से जुड़े साइबर एक्सपर्ट ने बैंक के दो कर्मचारियों की यूजर आईडी व पासवर्ड हासिल कर ली। इसके जरिए 146 करोड़ रुपये एक बिल्डर व ठेकेदार के आठ खातों में ट्रांसफर कर दिया। इस मामले में 16 अक्टूबर को साइबर क्राइम थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। वारदात केदो दिन बाद ही पूर्व प्रबंधक आरएस दुबे, सोलर कंपनी के मालिक व बिल्डर के भाई सुखसागर सिंह चौहान को गिरफ्तार किया गया। इसके बाद साइबर हैकर सतीश को दबोचा गया। फिर एक नवंबर को लोक भवन के सेक्शन अफसर रामराज, मास्टर माइंड ध्रुव कुमार श्रीवास्तव, आकाश कुमार श्रीवास्तव, कोआपरेटिव बैंक के महमूदाबाद के सहायक प्रबंधक कर्मवीर सिंह, भूपेंद्र को गिरफ्तार किया गया था। ज्ञानदेव फरार चल रहा था। उस पर पुलिस ने 50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। साइबर क्राइम थाने के इंस्पेक्टर अजीत यादव व बृजेश कुमार यादव की टीम ने शुक्रवार को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

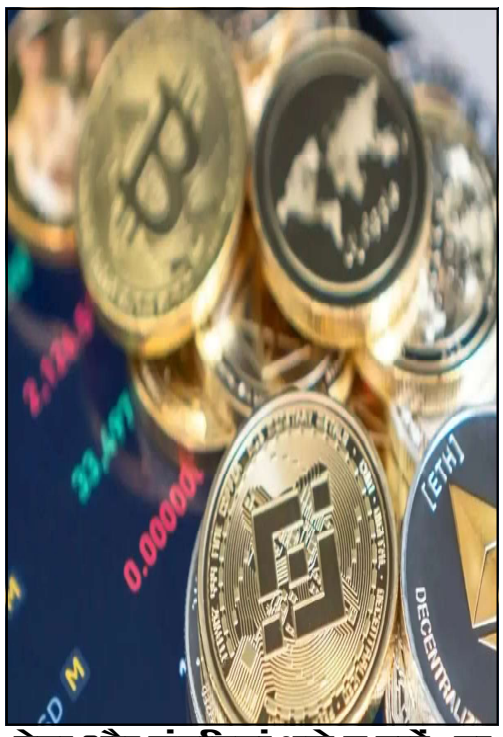

क्रिप्टो कारोबार पर लगातार गिर रही हैं बिजलियां, दिवालिया घोषित होने वाली है यह कंपनी

क्रिप्टो करेंसी बाजार को और भी गंभीर झटके लगने की आशंका है। अमेरिका में सोशल मीडिया पर बुधवार को यह चर्चा जोर पकड़ती दिखी कि दुनिया में क्रिप्टो ऋण देने वाली एक बड़ी कंपनी ब्लॉक–एफआई भी खुद दिवालिया घोषित करने वाली है। दो दिन पहले इस कंपनी ने कहा था कि दिवालिया होने की अर्जी दे चुकी कंपनी– एफटीएक्स में उसका भी काफी धन लगा था, जो अब डूबता दिख रहा है।

सिंगापुर और हांगकांग में क्रिप्टो बाजार से जुड़े कारोबारियों ने कहा है कि वे अब इस बाजार में लंबी मंदी की आशंका महसूस कर रहे हैं। उनके मुताबिक एफटीएक्स के ढहने से पूरे बाजार में बेचौनी फैली हुई है। इस कारण क्रिप्टो निवेश का मूल्य तेजी से गिर रहा है। एफटीएक्स के कुछ घोटालों में शामिल रहने की खबरों ने चिंता और बढ़ा दी है। इससे ये आशंका गहराई है कि अभी इस मामले में ऐसे खुलासे हो सकते हैं, जिनका दूरगामी असर होगा। एफटीएक्स की स्थापना सैम बैंकमैन–फ्राइड ने की थी। देखते–देखते क्रिप्टो की दुनिया की वे सबसे प्रमुख शख्सियतों में एक बन गए थे। लेकिन पिछले हफ्ते एक क्रिप्टो वेबसाइट पर खबर छपी कि एफटीएक्स के पास निवेशकों का पैसा लौटाने योग्य धन नहीं है। उसके बाद बहुत से निवेशकों ने अपना पैसा निकालना शुरू कर दिया। इससे कंपनी का पूरा कारोबार ढह गया और उसने दिवालिया होने की अर्जी दे दी। उसके बाद क्रिप्टो हेज फंड थ्री ऐरो कैपिटल, सेल्सियश नेटवर्क और बेबेल फाइनेंस के भी संकटग्रस्त होने की खबरें आ चुकी हैं।

दक्षिण–पूर्व एशिया के सबसे बड़े बैंक डीबीएस ग्रुप के विश्लेषकों तैमूर बेग और चांग वेई लियांग ने अपनी एक ताजा रिपोर्ट में बताया है कि एफटीएक्स की घटना सामने आने के बाद से तमाम क्रिप्टो करेंसियों के भाव में भारी गिरावट आई है। वैसे भी इन मुद्राओं के भाव निचले स्तर पर थे। दो सबसे बड़ी क्रिप्टो करेंसी बिटकॉइन और इथेरियम के भाव में इस साल 65 फीसदी की गिरावट आ चुकी है। दोनों विश्लेषकों ने कहा है– 'संभवतः गिरावट का दौर अभी थमा नहीं है। प्रमुख कंपनियों के फेल होने, नकदी के अभाव, धोखाधड़ी, विनियामकों की जांच, पूंजी भाव के अभाव आदि के कारण बहुत से निवेशकों के मन में भरोसे का संकट पैदा हो गया है।

पर्यवेक्षकों ने इस दौर को 'क्रिप्ट विंटर' नाम दिया है। सभी क्रिप्टो करेंसियों का कुल पूंजीगत भाव (कैपिटलाइजेशन) पिछले नवंबर में तीन ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया था। इस वर्ष जुलाई तक यह घट कर एक ट्रिलियन डॉलर से भी कम रह गया। अब हालिया घटनाओं से इसके और भी नीचे जाने का अनुमान है।

नेता और कंपनियां भले न चाहें, पर रिपब्लिकन समर्थकों में ऊंची है ट्रंप की लोकप्रियता

डोनाल्ड ट्रंप के 2024 का राष्ट्रपति चुनाव लड़ने का एलान कर देने से रिपब्लिकन पार्टी के एक हिस्से बेचौनी है। खास कर कांग्रेस (अमेरिकी संसद) के कई रिपब्लिकन सदस्यों की राय है कि ट्रंप अब पार्टी के लिए बोझ बन गए हैं। उनके मुताबिक इस बात के संकेत बीते आठ नवंबर को हुए मिड टर्म चुनावों में मिले, जब राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रति भारी जन असंतोष के बावजूद रिपब्लिकन पार्टी बड़ी जीत दर्ज करने में नाकाम रही। इस चुनाव के दौरान ट्रंप समर्थित कई खास उम्मीदवार चुनाव हार गए।

विश्लेषकों ने राय जताई है कि ट्रंप को लेकर मोटे तौर पर उनकी पार्टी में कैसी भावनाएं रहती हैं, उसके संकेत अगले छह दिसंबर को जॉर्जिया राज्य से एक सीनेटर के होने वाले चुनाव के नतीजे से तय होगा। आठ नवंबर को यहां हुए चुनाव में कोई उम्मीदवार 50 फीसदी से अधिक वोट हासिल नहीं कर सका। इसलिए अब वहां दोबारा मतदान होगा। संकेतों के मुताबिक रिपब्लिकन नेताओं की नजर यह देखने पर टिकी है ट्रंप की उम्मीदवारी की घोषणा का जॉर्जिया के मतदाताओं पर कैसा असर होता है।

रिपब्लिकन सीनेटर सिंथिया लुमिस ने अखबार वॉल स्ट्रीट जर्नल से कहा– 'पार्टी के खराब चुनावी प्रदर्शन के पीछे एक प्रमुख कारण ट्रंप का प्रभाव रहा। इसलिए उन्हें अपनी उम्मीदवारी घोषित करने से पहले छह दिसंबर तक इंतजार करना चाहिए था।' फ्लोरिडा राज्य में भारी बहुमत से जीते गवर्नर रॉन डिसैंटिस का जिक्र करते हुए लुमिस ने कहा– 'मेरी राय में अब पार्टी के नेता रॉन डिसैंटिस हैं।

रिपब्लिकन पार्टी के एक अन्य सीनेटर टॉड यंग ने कहा है– 'मैं एक बार फिर से ट्रंप को पार्टी का उम्मीदवार बनाने के पक्ष में नहीं हूं। मेरी राय में हमें कई रिपब्लिकन दावेदारों पर नजर रखनी चाहिए, जो उम्मीदवारी पाने की होड़ में उतरने वाले हैं।' सीनेटर जेरी मोरान ने कहा है कि मिड टर्म चुनावों में रिपब्लिकन पार्टी को गर्भपात और 2020 का राष्ट्रपति चुनाव नतीजा ना स्वीकार करने के ट्रंप के रुख के मुद्दा बन जाने से नुकसान हुआ। इस सवाल पर कि क्या वे ट्रंप का समर्थन करेंगे, मोरान ने कहा– 'कई रिपब्लिकन नेताओं की राष्ट्रपति चुनाव लड़ने में रुचि है।

दूसरी तरफ कई रिपब्लिकन नेता खुल कर ट्रंप के समर्थन में सामने आ गए हैं। हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव के सदस्य जिम जॉर्डन ने कहा– 'ट्रंप अमेरिका के सर्वश्रेष्ठ राष्ट्रपति रहे। मैंने पहले उनका समर्थन किया था और आगे भी करूंगा।' जनमत सर्वेक्षणों से भी सामने आया है कि रिपब्लिकन समर्थक मतदाताओं में ट्रंप की लोकप्रियता का ऊंचा स्तर बना हुआ है। वॉल स्ट्रीट जर्नल की तरफ से बीते अक्तूबर में कराए गए एक सर्वे में 93 फीसदी रिपब्लिकन समर्थक मतदाताओं ने राष्ट्रपति के रूप में ट्रंप के कामकाज की तारीफ की थी।

इस बीच कई दूसरे सर्वेक्षणों के औसत के मुताबिक रिपब्लिकन समर्थकों मतदाताओं के बीच रॉन डिसैंटिस की तुलना में ट्रंप अधिक लोकप्रिय हैं। इसके बावजूद रिपब्लिकन पार्टी को चंदा देने वाली कई कंपनियां ट्रंप से किनारा करती दिख रही हैं। एक ऐसी ही प्राइवेट इक्विटी कंपनी ब्लैकस्टोन इंक के सीईओ स्टीफन श्वार्जमैन ने कहा– 'अमेरिका तब बेहतर प्रदर्शन करता है, जब उसके नेताओं की नजर अतीत पर नहीं, बल्कि वर्तमान और भविष्य पर टिकी होती है।

MEDIA NEWS
हम बनेंगे आपकी आवाज
झुग्गी झोपड़ी
हिन्दी दैनिक
आवश्यकता है
उत्तर प्रदेश व अन्य प्रदेश मे
कार्य करने हेतु लोगो की
आवश्यकता है
संपर्क:- 277/129 चकिया जगमल का हाता
जनपद प्रयागराज पिन कोड 211016
उत्तर प्रदेश
9918366626 , 9140343290

टी20 सीरीज में भारत को इन पांच कीवी गेंदबाजों से रहना होगा सतर्क, जरा सी चूक और खेल खत्म

भारत और न्यूजीलैंड के बीच टी20 सीरीज की शुरुआत हो चुकी है। हालांकि, पहला मैच बारिश से धुल गया। अब 20 नवंबर को दूसरा और 22 नवंबर को तीसरा मैच खेला जाएगा। दोनों ही टीमों को सीरीज जीतने के लिए दोनों मुकाबले जीतने होंगे। टीम इंडिया ने जब पिछली बार न्यूजीलैंड का दौरा किया था (2020 में) तब टी20 सीरीज 5–0 से अपने नाम की थी।

विराट कोहली उस समय भारतीय टीम के कप्तान थे। हालांकि, इस सीरीज में कोई भी सीनियर खिलाड़ी टीम इंडिया का हिस्सा नहीं है। हार्दिक पांड्या के हाथों में टी20 टीम की कमान सौंपी गई है। वहीं, युवा खिलाड़ियों से सजी टीम इंडिया न्यूजीलैंड के अनुभवी गेंदबाजों का सामना करेगी। इस सीरीज में कुछ कीवी गेंदबाजों से भारत को संभल कर रहना होगा, जो भारतीय बल्लेबाजों द्वारा जरा सी चूक होने पर विकेट उखाड़ सकते हैं। आइए उन गेंदबाजों के बारे में जानते हैं...

1. ईश सोढ़ीरू भारत के खिलाफ न्यूजीलैंड के सबसे सफल गेंदबाज हैं। चाहे भारतीय परिस्थिति हो या न्यूजीलैंड की, यह लेग स्पिनर दोनों जगह ही विकेट निकालने में माहिर है। ईश सोढी ने भारत के खिलाफ टी20 में 15 मैचों में 20 विकेट निकाले हैं। 18 रन देकर तीन विकेट भारत के खिलाफ उनकी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी है। इस दौरान उनका इकोनॉमी रेट 7. 26 का रहा है। वहीं, न्यूजीलैंड के कंडीशन में सोढ़ी ने भारत के खिलाफ आठ टी20 मैचों में नौ विकेट लिए हैं। इकोनॉमी रेट 8.03 का रहा है।

2. मिचेल सैंटनररू भारत के खिलाफ टी20 में न्यूजीलैंड के दूसरे सबसे

सफल गेंदबाज। यह बाएं हाथ का स्पिनर किसी भी कंडीशन में विकेट निकाल सकता है। कीवी कप्तान केन विलियम्सन को जब भी जरूरत पड़ती है, सैंटनर उस विकेट निकालकर देते हैं। भारत के खिलाफ टी20 में उन्होंने 16 मैचों में 16 विकेट लिए हैं। घरेलू मैदान पर उन्होंने टीम इंडिया के खिलाफ आठ मैचों में सात विकेट लिए हैं।3. टिम साउदीरू भारत को इस सीरीज में सबसे ज्यादा खतरा टिम साउदी से होगा। साउदी न्यूजीलैंड की परिस्थितियों में बेहद खतरनाक साबित हो सकते हैं। वह स्विंग कराने में माहिर हैं और भारत की युवा टीम को परेशान कर सकते हैं। साउदी ने भारत के खिलाफ टी20 में 15 मैचों में 15 विकेट लिए हैं। वहीं, न्यूजीलैंड की परिस्थितियों में साउदी ने भारत के खिलाफ 10 मैचों में आठ विकेट लिए हैं। भारतीय बल्लेबाजों को उनसे बचकर रहने की जरूरत है।

4. एडम मिल्नेरू अपनी स्पीड के लिए पहचाने जाने वाले एडम मिल्ने से भी भारतीय बल्लेबाजों को बचकर रहने की जरूरत होगी। यह गेंदबाज 150 की स्पीड से गेंद को स्विंग करा सकता है। मिल्ने शॉर्ट बॉल से भारत के युवा बल्लेबाजों को परेशान कर सकते हैं। उन्होंने टीम इंडिया के खिलाफ छह मैचों में तीन विकेट लिए हैं। 5. लोकी फर्ग्यूसनरू लोकी फर्ग्यूसन को डेथ ओवर्स स्पेशलिस्ट माना जाता है। अंत के ओवरों में यह गेंदबाज एक के बाद एक यॉर्कर फेंकने में माहिर है। फर्ग्यूसन आईपीएल में लगातार खेलते हैं। ऐसे में उन्हें भारतीय बल्लेबाजों की मजबूती और कमजोरी का भी पता होगा। वह आईपीएल का फायदा इस सीरीज में उठाना चाहेंगे। फर्ग्यूसन ने भारत के खिलाफ चार टी20 मैचों में चार विकेट लिए हैं। न्यूजीलैंड में उन्होंने भारत के खिलाफ दो मैचों में तीन विकेट लिए हैं।

गर्लफ्रेंड सबा आजाद के साथ लिवइन में रहेंगे ऋतिक रोशन नए आशियाने पर खर्च कर डाले 100 करोड़

बॉलीवुड अभिनेता ऋतिक रोशन इन दिनों सबा आजाद को डेट कर रहे हैं। ऋतिक और सबा अपने रिश्ते को स्वीकार चुके हैं और दोनों अक्सर एक दूसरे के साथ क्वालिटी टाइम स्पेंड करते हुए नजर आते हैं। इतना ही नहीं, सबा आजाद अपने बॉयफ्रेंड ऋतिक रोशन के साथ बॉलीवुड इवेंट्स और पार्टीज में भी स्पॉट हुई हैं। लेकिन अब ऋतिक रोशन अपने रिश्ते को एक कदम आगे लेकर जा रहे हैं। ऋतिक रोशन अपनी गर्लफ्रेंड सबा आजाद के साथ रहने की प्लानिंग कर रहे हैं, जिसके लिए उन्होंने एक अपार्टमेंट भी देख लिया है, जिसकी कीमत करोड़ों में है।

एक मीडिया रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें दावा किया जा रहा है कि ऋतिक और सबा लिवइन रिलेशनशिप में रहने की तैयारी कर रहे हैं और दोनों ने अपने लिए मुंबई में एक लग्जरी अपार्टमेंट देखा है, जिसमें वह दोनों साथ रहेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, ऋतिक रोशन के करीबी ने बताया है कि वह काफी समय से अपनी लेडीलव सबा आजाद के साथ लिवइन में रहने की सोच रहे थे। इस रिपोर्ट में यह भी खुलासा किया गया है कि सबा और ऋतिक मुंबई में श्मन्नतश नाम की बिल्डिंग के एक अपार्टमेंट में रहेंगे। उनके अपार्टमेंट में रोनेवेशन का काम भी शुरू हो गया है।

ऋतिक और सबा के लिए इस बिल्डिंग के टॉप टू फ्लोर के अपार्टमेंट तैयार किए जा रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि इन दोनों अपार्टमेंट के लिए ऋतिक रोशन ने 100 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। रिपोर्ट में आगे बताया है कि यह अपार्टमेंट जुहू वर्सोवा लिंक रोड पर स्थित है और ऋतिक ने इन्हें 97. 50 करोड़ रुपये में खरीदा है। यह दोनों अपार्टमेंट 15वीं और 16वीं मंजिल पर हैं, जो 38 हजार वर्ग फुट में फैला हुआ है। 15 वीं मंजिल पर स्थित अपार्टमेंट को ऋतिक ने 67.50 करोड़ रुपये देकर खरीदा है। वहीं, दूसरे अपार्टमेंट पर उन्होंने करीब 30 करोड़ खर्च किए।

वर्क फ्रंट की बात करें तो ऋतिक रोशन आखिरी बार शविक्रम वेधाश में नजर आए थे, जिसमें ऋतिक के साथ सैफ अली खान भी थे। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह फ्लॉप हुई। वहीं, अब अभिनता श्फाइटरश में नजर आएंगे। इस फिल्म में ऋतिक के साथ दीपिका पादुकोण स्क्रीन शेयर करेंगी।

बुजुर्गों की प्रेम कहानी में नया ट्विस्ट, क्या मनोहर कहानियां पढ़ने के बाद होगा वध

कभी फिल्म 'ग्वालियर' के नाम से बनने वाली कमाल के कलाकारों संजय मिश्रा और नीना गुप्ता की फिल्म का नाम अब बदलकर 'वध' हो चुका है। लेकिन फिल्म में वध किसका होगा, कौन करेगा, कहां करेगा, क्यों करेगा, कब करेगा, ये सारे सवाल फिल्म की रिलीज पास आने के साथ साथ सुर बदलने लगे हैं। शुक्रवार को फिल्म का एक नया पोस्टर जारी हुआ है जिसमें अभिनेता संजय मिश्रा अपने समय की चर्चित पत्रिका 'मनोहर कहानियां' पढते नजर आ रहे हैं। 'मनोहर कहानियां' को एक समय में देश में सबसे ज्यादा बिकने वाली पत्रिका का तमगा हासिल रहा है।

हाल ही में दर्शकों ने संजय मिश्रा और नीना गुप्ता अभिनीत फिल्म वध का पहला टीजर पोस्टर देखा था, वहीं अब मेकर्स ने संजय मिश्रा के एक और टीजर पोस्टर के साथ 'वध' की रोमांचक दुनिया की नई झलक दिखाई है। और, इसके बाद से ही सोशल मीडिया पर लोग तरह तरह की कहानियां इन 'मनोहर कहानियां' को लेकर बनाने लगे हैं।

फिल्म 'वध' के नए पोस्टर में संजय मिश्रा को अपने चेहरे पर अजब भाव बनाए हुए मनोहर कहानियां पढ़ते हुए देखा जा सकता हैं। इससे यह सस्पेंस बढ़ गया है कि मेकर्स इस पोस्टर के जरिए क्या इशारा करने की कोशिश कर रहे हैं। इस नए पोस्टर के सामने आने के बाद यह भी सवाल उठा है कि थ्रिलर ड्रामा की शैली में संजय मिश्रा के किरदार को कैसे खोजा जाएगा।निर्देशक जोड़ी राजीव बरनवाल और जसपास संधू ने फिल्म 'वध' को लिखा भी है। इन दोनों ने ये फिल्म 'ग्वालियर' के नाम से काफी पहले बना ली थी लेकिन कोरोना संक्रमण काल के चलते इसका प्रदर्शन अटका रहा। अब फिल्म के निर्माताओं के रूप में इससे लव रंजन भी जुड़ चुके हैं। 9 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही इस फिल्म के नए पोस्टर को लेकर लव रंजन ने एक ट्वीट भी किया है।

आईपीएल ऑक्शन आ रहा इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर ने कुछ इस तरह ऑस्ट्रेलियाई स्टार को स्लेज किया, देखें

इंग्लैंड की टीम फिलहाल ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर है। दोनों टीमों के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज खेली जा रही है। पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया ने वर्ल्ड चौंपियन इंग्लैंड को छह विकेट से हरा दिया। एडिलेड में खेले गए वनडे में पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड ने 50 ओवर में नौ विकेट गंवाकर 287 रन बनाए। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 46.5 ओवर में चार विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। दोनों टीमों ने जीत के लिए एड़ीचोटी का जोर लगाया। हालांकि, ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन कर अपनी टीम को जीत दिलाई। इस मैच में इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर चाल चलते नजर आए। इस दौरान उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन को स्लेज भी किया। यह घटना ऑस्ट्रेलियाई पारी के दौरान 41वें ओवर की है। दरअसल, उस वक्त ग्रीन इंग्लिश स्पिनर लियाम डॉसन की गेंद पर अटैक करने की सोच रहे थे। वह क्रीज से बाहर निकलकर आए, लेकिन बॉल को हिट नहीं कर सके। इस पर बटलर ने विकेट के पीछे से कहा– यह देखकर अच्छा लगा कि कोई शॉट लगाने की कोशिश कर रहा है। इसकी अगली गेंद पर ग्रीन ने डिफेंसिव शॉट खेला। इस पर बटलर ने कहा– बड़ा ऑक्शन (आईपीएल) आने वाला है। बटलर की यह बातें स्टंप माइक में रिकॉर्ड हो गईं।बटलर कैमरन ग्रीन को आईपीएल 2023 के लिए 26 दिसंबर को होने वाले मिनी ऑक्शन के बारे में बात कर रहे थे। मिनी ऑक्शन कोच्चि में होना है। कैमरन ग्रीन अपनी ऑलराउंड काबीलियत की वजह से इस ऑक्शन में बड़ी राशि कमा सकते हैं। उन पर बड़ी बोली लग सकती है। ग्रीन ने हाल ही में भारतीय दौरे पर कई तूफानी पारियां खेली थीं। साथ ही वह तेज गेंदबाजी भी कर सकते हैं।हालांकि, इंग्लैंड की स्लेजिंग का असर ग्रीन पर नहीं पड़ा और उन्होंने 28 गेंदों में 20 रन की नाबाद पारी खेली। उन्होंने अंत तक मैदान पर रहकर मैच खत्म किया। उनके अलावा स्टीव स्मिथ ने 78 गेंदों में 80 रन की नाबाद पारी खेली। अपनी पारी में उन्होंने नौ चौके और एक छक्का लगाया। साथ ही डेविड वॉर्नर ने 84 गेंदों में 86 रन और ट्रेविस हेड ने 57 गेंदों में 69 रन की पारी खेली। इन दोनों ने पहले विकेट के लिए 147 रन की साझेदारी निभाई और वर्ल्ड चौंपियंस को बैकफुट पर धकेल दिया। रही कसर स्टीव स्मिथ और ग्रीन ने पूरी कर दी। इससे पहले इंग्लैंड ने डेविड मलान के 134 रन की पारी की बदौलत 287 रन बनाए थे। मलान ने 128 गेंदों की अपनी पारी में 12 चौके और चार छक्का लगाए थे। इसके अलावा कोई बल्लेबाज कुछ खास नहीं कर सका। जोस बटलर ने 29 रन और डेविड विली ने 34 रन की नाबाद पारी खेली। ऑस्ट्रेलिया की ओर से एडम जैम्पा ने सबसे ज्यादा तीन विकेट लिए।

झुग्गी झोपड़ी
सत्वाधिकार, मुद्रक एवं प्रकाशक संजय कुमार यादव द्वारा रमा प्रिंटिंगप्रेस 53/25/1ए, बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित रहीमाबाद पोस्ट कटहुला गौसपुर जिला प्रयागराज तहसील सदर से प्रकाशित
सम्पादक
संजय कुमार यादव
RNINo.: UPHIN/2015/63182
दूरभष : 0532–2618074
मोबाईल : 9918366626
डाक पंजिकृत ए/बी 123/21.23
e-mail: Jhuggijhopari@gmail.com
Website- www.Jhuggijhopari.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदाई तथा इन से उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा